E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

# आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

12th ANNIVERSARY

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 82 | प्रयागराज, गुरूवार 04 जून,2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

## ईरान का कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला,यूएस बोला- सभी हमले नाकाम

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बुधवार को फिर बढ़ गया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्‌र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के हेडक्वार्टर, मिलिट्री एयरबेस और हेलीकॉप्टरों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए है। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड (ण्ꣿऊण्ध्श्) ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ईरान ने क्षेत्रीय देशों की तरफ कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, सभी हमले फेल हो गए। कुवैत पर दागी गई दो मिसाइलें या तो टारगेट से चूक गईं या रास्ते में ही नष्ट कर दी गईं। बहरीन पर दागी गई 3 मिसाइलों को अमेरिकी और बहरीन एयर डिफेंस सिस्टम ने रोक दिया। दूसरी ओर, अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के केश्म आइलैंड स्थित एक कम्युनिकेशन्स टावर पर अटैक किया। अमेरिकी सेना ने इसे आत्मरक्षा में किया हमला बताया है। अमेरिका ने होर्मुज के पास एक ऑयल टैंकर पर भी हमला किया है। ण्ꣿऊण्ध्श् ने इसका एक ड्रोन वीडियो भी जारी किया। बोत्सवाना के झंडे वाले इस ऑयल टैंकर से आग की लपटें निकलती दिखाई दीं। अमेरिकी नाकेबंदी के हमले का शिकार हुआ यह टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से ईरान के खार्ग आइलैंड की तरफ जा रहा था। पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स- ईरान ने अमेरिक सैन्य ठिकानों पर हमले किएः ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए। अमेरिका ने दावा किया कि ज्यादातर मिसाइलें हवा में ही इंटरसेप्ट कर दी गईं।अमेरीका ने ईरानी ऑयर टैंकरों पर हमले किएः अमेरिका ने ईरान के केश्म आइलैंड, गोरुक और होर्मुज के पास ऑयल टैंकरों पर हमले किए। ईरान ने जवाब में एक जहाज को मिसाइल से निशाना बनाया। ट्रम्प ने लेबनान पर नेतन्याहू को फटकार लगाईः ट्रम्प ने लेबनान में इजराइली हमलों पर नेतन्याहू को फोन पर फटकार लगाई। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा- 'अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते।' लेबनान में इजराइली हमले तेजः लेबनान में इजराइली हमले जारी हैं। नबातियेह समेत कई इलाकों पर एयरस्ट्राइक हुईं, जबकि हिजबुल्लाह ने भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए।

## दिल्ली में रेस्टोरेंट में लगी आग, 21 लोंगा की मौत, हताहत में कई विदेशी, 40 को बचाया,जान बचाने के लिए बिल्डिंग से कूदे लोग

नयी दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर में बुधवार सुबह एक रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में सेंट्रल एशिया और अफ्रीकी देशों के नागरिक शामिल हैं। हालांकि इनकी सटीक संख्या की जानकारी नहीं मिली है। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीयों लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर के लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग रेस्टोरेंट के ऊपर बने होटल फ्लोरिश स्टे तक पहुंच गई। वहीं, बेसमेंट से भी 6 से ज्यादा लोगों को निकाला गया। घटना के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे। अब तक 37 लोगों को बचाया जा चुका है। कई लोगों की हालत गंभीर है। दिल्ली के इस होटल में आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत हो चुकी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में लगी। कुछ देर बाद 6 मंजिला फ्लोरिश स्टे होटल तक फैल गई। बताया जा रहा है कि तीन फ्लोर तक आग फैल गई। यह होटल दिल्ली के प्रेस एन्क्लेव रोड पर है। यहीं पर मैक्स हॉस्पिटल और एम्स भी है। बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों में इलाज कराने आने वालों के परिजन भी इस होटल में रुका करते थे। एम्स दिल्ली के अधिकारी ने बताया कि मालवीय नगर अग्निकांड के बाद 13 लोगों को यहां एडमिट कराया गया है। 3 लोग वह हैं जो ऊंचाई से नीचे गिरे थे। 10 लोग वह हैं बिल्डिंग से रेस्क्यू किया गया और यहां लगा गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया है और मृतकों के परिजन को रु2-रु2 लाख और घायलों को रु50-रु50 हजार की मदद का ऐलान किया गया है।

## 13 साल उम्र,3 साल में 700 लोगों ने रेप किया,ब्रिटेन की संसद में ग्रूमिंग गैंग पीड़ितों की गवाही

### ज्यादातर आरोपी पाकिस्तान मूल के

लंदन। ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोव ने संसद में अपने एक भाषण से ब्रिटेन के ग्रूमिंग गैंग कांड पर फिर से बहस छेड़ दी है। उन्होंने इस भाषण में पीड़ितों की गवाही पढ़ी। उन्होंने संसद को बताया कि रेप गिरोह की दो हफ्तों की जांच की सुनवाई के दौरान जो बातें कही गईं, उसे पूरी दुनिया को सुननी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि एक पीड़ित से 13 से 16 साल की उम्र के बीच 600-700 अलग-अलग पुरुषों ने रेप किया। लोव ने कहा, ब्रिटेन के कम से कम 85 इलाकों में संगठित बाल यौन शोषण के संकेत मिले हैं। संसद में पढ़ी गई गवाहियों में सामूहिक दुष्कर्म, हिंसा, धमकी और नस्लीय अपमान के आरोप शामिल थे। एक गवाही में कहा गया कि पीड़ित को ड्रग्स देकर कई लोगों के हवाले किया जाता था। उन्हें पिंजरों में कैद रखा जाता था। दूसरी पीड़ित ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर जान से मारने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी जाती थी। रूपर्ट लोव ने कहा- अब इन मामलों पर चुप नहीं रहा जा सकता। पिछले साल अगस्त में लोव ने कहा था कि रेप कांड में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के पुरुष शामिल हैं। ये दशकों से गैंग चला रहे हैं और इनकी संख्या अनुमान से कहीं ज्यादा हैं। सांसद ने कई रेप विक्टिम की आपबीती सुनाई, 5 किस्सेः- लोव के संसद में दिए भाषण के मुताबिक, एक पीड़ित ने कहा- आरोपी ने अपनी पैंट उतारी, मेरा रेप किया। फिर उसने एक खाली बोतल उठाई और उसे जबरदस्ती मेरे प्राइवेट पार्ट के अंदर डाल दिया और बोतल का शीशा तोड़ दिया। उस समय मेरी उम्र लगभग 12 या 13 साल थी। लोव ने एक और पीड़ित की कहानी बताई। पीड़ित ने कहा- उन पुरुषों ने मुझे पकड़ रखा था और बारी-बारी से मेरे साथ रेप किया, मेरे हाथ-पैर भी दबाए रखे। उन्होंने मुझे बार-बार पीटा, किसी को घटना के बारे में बताने पर जान से मारने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। जांच के दौरान एक पीड़ित ने कहा- आरोपी लगातार ऐसे कमेंट करते थे, जिनसे लगता था कि वे श्वेत और ईसाई लड़कियों को कम नैतिक या निचले दर्जे वाली मानते थे। कुछ पुरुष मुस्लिम लड़कियों को इज्जतदार और उच्च मूल्यों वाली बताते थे। इस तरह वे हमारे साथ किए व्यवहार को सही ठहराते थे। ब्रिटिश सांसद ने एक और महिला की कहानी बताते हुए दावा किया कि उसके साथ रेप करने वाले आरोपी पुलिस अधिकारी थे। गवाही में कहा गया- देश के अलग-अलग हिस्सों में कई पुलिस अधिकारियों ने मेरा रेप किया। ब्रिटेन में, 'ग्रूमिंग गैंग' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर उन मामलों के लिए किया जाता है जिनमें बच्चों और किशोरियों का यौन शोषण या उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। ग्रूमिंग गैंग शब्द रोदरहम, रोशडेल और ओल्डहैम जैसे शहरों में हुई जांचों के बाद प्रचलित हुआ। एक पीड़ित ने अपनी गवाही में कहा- यह तब शुरू हुआ जब मैं 13 साल की थी। तीन साल में लगभग छह या सात सौ अलग-अलग पुरुषों ने मेरा रेप किया। एक पीड़ित के मुताबिक, जब वह अस्पताल गई तो वहां कर्मचारियों को आपबीती बताई, लेकिन उन्होंने कोई सवाल नहीं पूछा और दवाई देकर छुट्टी दे दी।

## बोला- नेपाल से सीमा विवाद में तीसरे पक्ष का रोल बर्दाश्त नहीं- भारत, नेपाल ने कहा था- ब्रिटेन दखल दे

नयी दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत-नेपाल सीमा से जुड़े नेपाली पीएम बालेन शाह के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच करीब 98फीसदी सीमा का निर्धारण पहले ही किया जा चुका है, लेकिन कुछ हिस्सों पर अभी भी सहमति बननी बाकी है। उन्होंने बताया कि गंडक नदी का रास्ता बदलने की वजह से कुछ इलाकों में सीमा से जुड़े सवाल पैदा हुए हैं। इसके अलावा, कुछ जगहों पर सीमा पार कब्जे और नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण के मामले भी हैं, जिनकी दोनों देश मिलकर मैपिंग कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, सीमा से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा और समाधान के लिए भारत और नेपाल के बीच पहले से द्विपक्षीय तंत्र मौजूद हैं। भारत-नेपाल सीमा का मामला दोनों देशों के बीच का विषय है और इसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। दरअसल नेपाली पीएम बालेन शाह ने हाल ही में नेपाल की संसद में कहा था कि सीमा विवाद से जुड़े मुद्दे बातचीत से सुलझाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि इस मामले में ब्रिटेन की भूमिका हो सकती है क्योंकि 1816 की सुगौली की संधि ब्रिटिश भारत और नेपाल के बीच हुई थी।

## सोनम वांगचुक आए कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में,कहा- 6 जून को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होंगे, पार्टी ने तीन प्रवक्ता नियुक्त किया

नई दिल्ली। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की मांगों और विचारधारा का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंगलवार को खुद इसकी जानकारी दी। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी ने तीन प्रवक्ता नियुक्त किए हैं। कॉकरोज इस बैक के ट्वीट के अनुसार पत्रकार सौरव दास मुख्य प्रवक्ता होंगे। वहीं फिल्ममेकर विजेता दहिया और आईआईटी कानपुर और ग्लोबल मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म मैकिन्से के एल्युम्नस, आशुतोष रांका प्रवक्ता होंगे। वांगचुक ने वीडियो मैसेज जारी कर कहा- मैंने सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दिपके से बात की। उनसे बात करके मुझे लगा कि उनकी मंशा गलत नहीं है। वे एक देशप्रेमी हैं और बदलाव चाहते हैं। वांगचुक ने कहा- अभिजीत 6 जून को दिल्ली में लोगों को बुला रहे हैं। अगर 5 जून तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया तो मैं भी जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होऊंगा। 6 जून को भारत लौटेंगे अभिजीत, एयरपोर्ट से सीधे थाने जाएंगे- अभिजीत दिपके 6 जून को अमेरिका से भारत लौटेंगे। उन्होंने 1 जून को सोशल मीडिया पर बताया था कि वे जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत ने बताया कि वे एयरपोर्ट से सीधे पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाएंगे और प्रदर्शन की इजाजत मांगेंगे। उन्होंने लोगों से एयरपोर्ट पर मिलने और प्रदर्शन में शामिल होने की अपील भी की। अभिजीत अमेरिका में पढ़ रहे, आप में काम कर चुके-30 साल के अभिजीत दिपके महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल वो अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। अभिजीत 2020 से 2022 तक केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अभिजीत आप के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे। एक इंटरव्यू में अभिजीत ने बताया कि उन्होंने निजी जिंदगी और आर्थिक स्थिरता के लिए आप छोड़कर बोस्टन यूनिवर्सिटी में अप्लाई किया था। एडमिशन मिल गया, तो वे अमेरिका शिफ्ट हो गए।अभिजीत किसान आंदोलन से लेकर महंगाई जैसे राजनीतिक मुद्दों पर एक्स अकाउंट पर केंद्र सरकार और पीएम पर निशाना साधते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच कराने की याचिका खारिज की- सुप्रीम कोर्ट ने 24 मई को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील एनके गोस्वामी ने कहा कि सीजेपी, ज्यूडीशियरी की इमेज खराब कर रही है। इसके बाद सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा, 'इसे इतनी भावुकता से मत लें।

## एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 का सफल परीक्षण, हवा से जमीन पर 300किमी तक हमला करेगी

नयी दिल्ली। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने मंगलवार को एंटी-रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 का सफल टेस्ट किया है। यह टेस्ट वायुसेना के एसयू-30एमकेआई फाइटर जेट से किया गया। ये मिसाइल हवा से जमीन पर 300किमी की तक की रेंज में दुश्मन को खत्म करेगी। रुद्रम-2 मिसाइल को दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम और रडार, कम्युनिकेशन सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी नेटवर्क को खत्म करने के लिए बनाया गया है। यह मिसाइल दुश्मन के रडार बंद होने पर भी उसे खोजकर खत्म करेगी। ग्राउंड अटैक- इस मोड में मिसाइल दुश्मन के बंकर, एयरस्ट्रिप, भूमिगत एयरक्राफ्ट हैंगर, रडार और सैन्य ठिकानों पर सटीक हमला कर सकती है। एंटी-रेडिएशन (एआरएम)- इस भूमिका में इसका प्रमुख टारगेट रडार स्टेशन, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी केंद्र, कम्युनिकेशन और जैमिंग सिस्टम होते हैं। रुद्रम-2 दुश्मन के एयर डिफेंस को कमजोर करती है-किसी भी देश की हवाई सुरक्षा काफी हद तक उसके रडार सिस्टम पर निर्भर करती है। रडार ही दुश्मन के विमान, मिसाइल और ड्रोन का पता लगाकर सेना को समय रहते चेतावनी देते हैं। रुद्रम-2 का मुख्य काम ऐसे रडार सिस्टम को खोजकर नष्ट करना है। जब रडार और निगरानी उपकरण नष्ट हो जाते हैं, तो दुश्मन के लिए आसमान में हो रही गतिविधियों पर नजर रखना मुश्किल हो जाता है। इससे उसकी हवाई सुरक्षा कमजोर पड़ जाती है और भारतीय फाइटर जेट के लिए हमला करना आसान और सुरक्षित हो जाता है। सैन्य भाषा में दुश्मन की हवाई सुरक्षा को कमजोर करने वाले ऐसे अभियान को एसईएडी (सप्रेशन ऑफ एनिमी एयर डिफेंस) कहा जाता है। सरल शब्दों में, इसका मतलब है दुश्मन की आंखें और कान बंद कर देना, ताकि वह हवाई हमलों का समय पर पता न लगा सके। आमतौर पर जब दुश्मन को पता चलता है कि उसकी तरफ एंटी-रेडिएशन मिसाइल आ रही है, तो वह अपना रडार बंद कर देता है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि मिसाइल को सिग्नल मिलना बंद हो जाए और वह लक्ष्य तक न पहुंच सके। लेकिन रुद्रम-2 जैसी आधुनिक मिसाइलों के सामने यह तरीका ज्यादा असरदार नहीं है। मिसाइल में मौजूद आईएनएस (इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम) और एसएटीएनएवी (सैटेलाइट नेविगेशन) तकनीक उसे लक्ष्य की आखिरी लोकेशन याद रखने में मदद करती है। यानी अगर दुश्मन आखिरी समय में रडार बंद भी कर दे, तब भी रुद्रम-2 उसकी अंतिम ज्ञात स्थिति तक पहुंचकर हमला कर सकती है। इसलिए केवल रडार बंद कर देने से इस मिसाइल से बचना आसान नहीं होगा। एंटी-रेडिएशन मिसाइल के बारे में जानें-एंटी-रेडिएशन मिसाइल (एआरएम) ऐसी खास मिसाइल होती है, जो दुश्मन के रडार और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से निकलने वाले सिग्नलों को पकड़कर सीधे उनके ठिकाने तक पहुंचती है और उन्हें नष्ट कर देती है। आसान शब्दों में समझें तो यह मिसाइल दुश्मन के रडार की आवाज सुनकर उसका पीछा करती है।

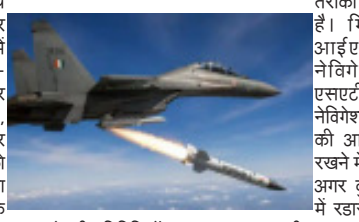



## दावा- बंगाल में टीएमसी नेता घूस के पैसे लौटा रहे,नादिया में महिलाओं की योजना में 173 पुरुषों के नाम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद अब गांव-गांव में नेताओं से अवैध वसूली या कट-मनी, यानी रिश्वत का हिसाब मांगा जा रहा है। कई जिलों में तृणमूल से जुड़े स्थानीय नेताओं पर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर रिश्वत लेने के आरोप सामने आ रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि बढ़ते दबाव के बीच कुछ नेताओं ने कट-मनी के नाम पर वसूले पैसे लौटाने भी शुरू कर दिए हैं। कूचबिहार के घुघुमारी इलाके में स्थानीय नेताओं ने लाउडस्पीकर से घोषणा कर लोगों को पैसे लौटाने की बात कही। कूचबिहार के ही माथाभांगा शहर के सुभाषपल्ली इलाके में आवास योजना के 14 लाभार्थियों को उनसे लिया गया कमीशन वापस किया गया। भाजपा नेताओं का दावा है कि कुछ लाभार्थियों ने पैसे वापस मिलने के बाद स्थानीय मंदिर में पूजा भी की। बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसका एक वीडियो भी पोस्ट किया है। मुर्शिदाबाद के नूतनग्राम में बांग्लार आवास योजना के तहत रिश्ववत लेने के आरोप में ग्राम उपप्रधान सिराजुल शेख के खिलाफ ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। गांव वालों का आरोप है कि घर दिलाने के नाम पर 5 हजार से 15 हजार रुपए तक लिए जाते थे। दक्षिण 24 परगना के नामखाना में प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर लिए गए 5-5 हजार रुपए ग्रामीणों को लौटाए गए।

नामखाना के शिबरामपुर ग्राम पंचायत के सदस्य माधव चंद्र लाया ने दावा किया कि उन्होंने बिना किसी दबाव के खुद 45 ग्रामीणों को पैसे लौटाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसे पार्टी के दबाव में लिए गए थे और इसमें सीनियर पंचायत अधिकारियों और टीएमसी नेताओं की मिलीभगत थी। हालांकि, मामले में अभी तक कोई औपचारिक पुलिस शिकायत दर्ज नहीं की गई है। नादिया में महिलाओं की लक्ष्मीर भंडार योजना में 173 पुरुषों के नाम- नादिया जिले के धुबुलिया में महिलाओं के लिए चलाई जा रही लक्ष्मीर भंडार योजना के लाभार्थियों की लिस्ट में 173 पुरुषों के नाम मिले हैं। फरवरी से अब तक इन खातों के जरिए पैसे भी निकाले गए। जिलाधिकारी श्रीकांत पल्ली ने बताया कि जांच के बाद इन नामों को सूची से हटा दिया गया है। इस बीच मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि लक्ष्मीर भंडार योजना के करीब 2.2 करोड़ लाभार्थियों में से लगभग 30 लाख लाभार्थी फर्जी हो सकते हैं। उन्होंने इस मामले में एसआईटी जांच और मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से भी पड़ताल की बात कही है। राज्य सरकार ने 18 मई को कथित कट-मनी, सरकारी फंड के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए 'इंस्टिट्यूशनल कमीशन' गठित किया है। रिटायर्ड जज विश्वजीत बसु इसकी अध्यक्षता करेंगे। सरकार को उम्मीद है कि आयोग शुरू होने के बाद लोग सीधे शिकायत दर्ज करा सकेंगे। स्थानीय भाजपा नेता सुरेंद्र बर्मन ने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार में ग्रामीणों को धमकी दी जाती थी कि अगर वे पैसे नहीं देंगे तो सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा या जमीन के लेन-देन में बाधा डाली जाएगी। हालांकि, कूचबिहार जिले के टीएमसी नेतृत्व ने कहा कि पार्टी का किसी भी तरह की अवैध वसूली या कट-मनी से कोई संबंध नहीं है।

## खान सर की कोचिंग पर हमले का आरोप, गार्ड को पीटते दिखे लोग,पोस्टर फाड़कर ईंट-पत्थर फेंके,छात्र धरने पर बैठे

पटना। पटना में मंगलार रात खान सर की कोचिंग ग्लोबल स्टडीज पर हमला हुआ है। हमले का वीडियो भी सामने आया है।

वीडियो में कुछ लोग गार्ड को पीटते दिख रहे हैं। इस दौरान ईंट-पत्थर भी चलाए गए। पोस्टर भी फाड़ दिए। हमले के बाद खान सर का कोचिंग सेंटर आज बंद किया गया है। बुधवार सुबह खान सर ने कहा, 'आज पढ़ाई नहीं हो पाएगी।' खान सर का कहना है कि हमले में सुरक्षा गार्ड घायल हो गया, गार्ड का सिर फोड़ दिया गया है। उसे पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। पहले उन्होंने 8 से 10 राउंड फायरिंग होने का दावा किया था। हालांकि बाद में वे अपने बयान से पलट गए। खान सर ने कहा- माहौल इतना तनावपूर्ण था कि मुझे कुछ समझ नहीं आया। उनकी ओर से एफआईआर में भी गोलीबारी का कोई जिक्र नहीं किया गया है। साथ ही पटना पुलिस ने भी फायरिंग की घटना से साफ इनकार किया है। इधर, कोचिंग पर हमले के बाद बड़ी संख्या में छात्र सड़क पर बैठकर प्रदर्शन कर रहे हैं। स्टूडेंट्स की मांग है कि जबतक खान सर को सुरक्षा नहीं मिलेगी वो कोचिंग के बाहर से नहीं हटेंगे। छात्रों ने 'खान सर जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। गोली चलने के सवाल पर खान सर जवाब देने से बचते नजर आए। उन्होंने छात्रों से अपील की- 'सड़क खाली कर दीजिए। हम यहां किसी हमले के लिए तैयार नहीं थे। मारपीट करने के लिए नहीं बैठे थे। गार्ड का सिर फोड़ दिया गया है।' खान सर ने बताया कि जिस समय हमला हुआ, उस वक्त ज्यादातर गाड्‌र्स की ड्यूटी समाप्त हो चुकी थी। उन्होंने कहा, 'सबसे पहली प्राथमिकता घायल गार्ड को बचाने की है। उसे काफी बेरहमी से पीटा गया है और वह पीएमसीएच में भर्ती है। पता नहीं हमलावरों का निशाना कौन था।' उन्होने आगे कहा, 'हम लोगों की कोशिश रहती है कि गरीब से गरीब बच्चों को पढ़ाया जाए, इससे कुछ लोगों को परेशानी हो रही है। सरकार और पुलिस अलर्ट है। रात 2 बजे तक सभी अफसर यहां मौजूद थे। पुलिस जल्द से जल्द कार्रवाई करे।

## भारत समेत दुनियाभर में 3 महीने तक सूखे की आशंका,केंद्र का निर्देश- राज्य इससे निपटने का योजना लागू करें

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्लूएमओ) ने भी वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की इस मौसम एजेंसी के मुताबिक, प्रशांत महासागर में तेजी से गर्म हो रहे समुद्री जल के कारण जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80फीसदी है। नवंबर तक इसके 90फीसदी या उससे ज्यादा बने रहने की आशंका है। अल नीनो आगे चलकर और मजबूत हो सकता है। इससे भारत समेत दुनियाभर में सूखा, बाढ़, समुद्री-स्थलीय हीटवेव और मौसम के खतरनाक रूप देखने को मिल सकते हैं। कृषि मंत्रालय ने राज्यों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि सामान्य से कम मानसून और अल नीनो की आशंका को देखते हुए जिलास्तर पर प्लान लागू करें। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि साथ ही किसानों तक जल्दी जानकारी पहुंचाने के लिए डिजिटल और कॉल सेंटर सेवाओं को मजबूत करें। क्या है अल नीनो और ये क्यों आता है प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में जब समुद्री हवाएं कमजोर पड़ती हैं, तो दक्षिण अमेरिकी तट का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। समुद्र के पानी के गर्म होने को अल नीनो कहते हैं। यह वैश्विक हवाओं और बादलों के पैटर्न को बदलकर दुनियाभर के मौसम को तहस-नहस कर देता है। भारत में 2 एक्टिव सिस्टम से मानसून बच सकता है डब्लूएमओ के अनुसार, अल नीनो के बावजूद भारत में मानसून बच सकता है, यदि ये दो सिस्टम एक्टिव रहें- पहली- इंडियन ओशन डायपोल (आईओडी)। इसे हिंद महासागर का अल नीनो भी कहते हैं। यदि इसका फेज पॉजिटिव हो, तो यह अल नीनो के सूखे के प्रभाव को पूरी तरह खत्म कर भारत में अच्छी बारिश करा सकता है। दूसरा- मैडेन-जूलियन ऑस्सिलेशन (एमजेओ)। यह बादलों और हवाओं का एक वैश्विक चक्र है जो भूमध्य रेखा पर घूमता रहता है। जब यह भारत के ऊपर से गुजरता है, तो कमजोर मानसून में भी भारी बारिश के स्पेल (दौर) लेकर आता है। समुद्र का पानी 6डिग्री ज्यादा गर्म हुआ- डब्लूएमओ के वैज्ञानिकों के मुताबिक, समुद्र की सतह के नीचे का पानी सामान्य से 6डिग्री तक ज्यादा गर्म मिला है। यह चिंताजनक है। समुद्र में जमा यही अतिरिक्त ऊष्मा सतह को गर्म कर रही है, जिससे अलनीनो को रफ्तार मिल रही है। प्रभावित देशों को तैयार रहने को कहा-संगठन ने गंभीर सूखे की आशंका जताई है। उसने भारत समेत सभी प्रभावित देशों की सरकारों, कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा विभागों को युद्ध स्तर पर तैयार रहने को कहा है। समय पर मिली सटीक चेतावनी और पूर्व-तैयारी से ही लाखों जानें बच सकती हैं। इससे पहले साल 2023-24 का अल नीनो इतिहास के पांच सबसे शक्तिशाली दौर में शामिल था, जिसने 2024 में वैश्विक तापमान के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे।

## मां-बाप, बहन की हत्या बेटे ने की थी, करोड़ों के गहने लूटे फिर बेटे का मर्डर हिस्सा-बाट में दोस्त ने किया

प्रयागराज। प्रयागराज में करोड़पति परिवार के 4 सदस्यों

की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। मां-बाप और बहन की हत्या बेटे ने ही अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी। हत्या के बाद दोनों ने घर से डेढ़ करोड़ रुपए के गहने लूटे। गहनों के बंटवारे को लेकर फिर आपस में विवाद हो गया। इसके बाद दोस्त ने बेटे की हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने दुकान में बाहर से ताला लगाया और गहने लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी दोस्त सनी गुप्ता को हिरासत में ले लिया है। वह चाय की दुकान लगाता है। उसके पास से लूटे हुए गहने भी बरामद हुए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि कारोबारी बेटे को प्रॉपर्टी से बेदखल करने वाले थे, जिससे वह नाराज था। इसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया। हत्यारोपी सनी गुप्ता ने मीडियाकर्मियों से कहा- 'हमें लगा कि जो अपने मां-बाप का नहीं हुआ, वह मेरा क्या होगा। हमने कोई अपराध नहीं किया था। उसी ने मुझे उकसाया और बुलाया। उसने अपने मां-बाप का कत्ल किया। हम दोनों सोना-चांदी लेकर नीचे आए। उसने कहा था कि मुझे भी हिस्सा देगा, लेकिन नहीं दिया। इसी वजह से मैंने उसकी हत्या कर दी।' मंगलवार को कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य (70), उनकी पत्नी अनीता (65) और बेटी मीनाक्षी (45) के शव घर के अंदर मिले थे। घर में बाहर से ताला बंद था, जबकि बेटे अभिषेक का कुछ पता नहीं चल पाया था। ऐसे में शक अभिषेक पर गया। हालांकि, करीब दो घंटे बाद अभिषेक (40) का शव मकान के नीचे की दुकान में मिला। दुकान का ताला भी बाहर से बंद था। उसी दुकान पर वीरेंद्र वैश्य भी बैठा करते थे। बड़ा बेटा अभिषेक पेस्टीसाइड और फ्लोर क्लीनिंग सॉल्यूशन का व्यापार करता था। अभिषेक और मीनाक्षी की शादी नहीं हुई थी। छोटा बेटा कौशांबी जेल में बंद है। उसकी पत्नी रितु जमानत पर जेल से बाहर हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि बड़े बेटे अभिषेक की भी पिता से नहीं जमती थी। पड़ोसियों और रिश्तेदारों के अनुसार, अभिषेक की संगत को लेकर परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। एक बार अभिषेक ने किसी व्यक्ति से लाखों रुपए उधार लिए थे। समय पर रकम न लौटाने पर कर्ज देने वालों ने उसकी पिटाई की थी और उसे उठा ले गए थे। धमकी दी थी कि पैसे नहीं मिले तो पूरे परिवार को खत्म कर दिया जाएगा। बाद में बहन मीनाक्षी ने पैसे देकर अभिषेक को छुड़ाया था। इस बात को लेकर कारोबारी से उसका झगड़ा हुआ था। उसे प्रॉपर्टी से भी बेदखल करने वाले थे। इससे अभिषेक पिता से नाराज चल रहा था।

## डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी

उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का आन्तरिक त्रैमासिक निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित अन्य संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## माँ सरस्वती के पूजन के साथ प्रारम्भ हुआ गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट का समर कैंप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज नैनी। गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट द्वारा आयोजित एवं माँ शारदा संगीत समिति के

तत्वावधान में मंगलवार को आयोजित समर कैंप का शुभारम्भ माँ सरस्वती के पूजन, वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों एवं युवाओं के उत्साह और अभिभावकों की सहभागिता ने आयोजन को विशेष स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के जिला कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष (नैनी) श्री लक्ष्मीकांत तिवारी रहे। उन्होंने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर समर कैंप का विधिवत उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि संगीत, कला और संस्कृति भारतीय जीवन मूल्यों की आधारशिला हैं। ऐसे प्रशिक्षण शिविर बच्चों में रचनात्मकता, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सांस्कृतिक चेतना का विकास करते हैं तथा उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर माँ शारदा संगीत समिति के अभिभावक श्री अवधेश सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहीं गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती सीमा त्रिपाठी एवं माँ शारदा संगीत समिति के निदेशक अभिषेक सिंह ने सभी प्रशिक्षकों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।समर कैंप में बच्चों एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए संगीत, तबला, ढोलक, गिटार, नृत्य तथा आर्ट एंड क्राफ्ट की विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। गायन का प्रशिक्षण डॉ. शिवांगी मिश्रा (असिस्टेंट प्रोफेसर), तबला का प्रशिक्षण राहुल सर, गिटार का प्रशिक्षण ॐ शुक्ला, नृत्य का प्रशिक्षण वनीत सर तथा आर्ट एंड क्राफ्ट का प्रशिक्षण चारु जी द्वारा प्रदान किया जा रहा है। गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट की अध्यक्षा सीमा त्रिपाठी ने बताया कि समर कैंप का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को भारतीय संगीत, कला और संस्कृति से जोड़ना तथा उनकी प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में बच्चों को रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना समय की आवश्यकता है, जिससे उनका बौद्धिक, मानसिक एवं नैतिक विकास सुनिश्चित हो सके। माँ शारदा संगीत समिति के निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न कलाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही शिविर के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम में देवराज सिंह, शांभवी शर्मा, अंकिता सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, अभिभावक एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य एवं सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

## दस दिवसीय कथक कार्यशाला का रंगारंग समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश के कार्यशाला में उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक विभाग की रिसोर्स

सांस्कृतिक विभाग द्वारा आयोजित व एसजेएस में कथक प्रशिक्षण पर चल रही दस दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को देर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन कर दिया गया। कार्यक्रम में कथक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके नन्हे बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुवात मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। एसजेएस पब्लिक स्कूल के चेयरमैन श्री रमेश बहादुर सिंह और प्रधानाचार्य डॉ. बीना तिवारी ने आए ने हुए अतिथियों को अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सभी बच्चों ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया। निया गुप्ता ने शिव तांडव पेश किया तो वही बच्चों द्वारा भाव नृत्य का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में नेपाल में अन्तर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीतने वाली हिमानी दीक्षित ने भी अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। इस कार्यशाला का आयोजन एनजीओ कलार्पण द्वारा किया गया था। पर्सन व कलार्पण संस्था की अवध प्रान्त की नृत्य विधा संयोजिका नीलम गुप्ता के नेतृत्व में 36 बच्चों ने कथक का प्रशिक्षण प्राप्त किया। एसजेएस पब्लिक स्कूल के चेयरमैन श्री रमेश बहादुर सिंह ने कहा कि महज दस दिन में किसी कला को सीखकर मंच से प्रस्तुति देना बहुत ही कठिन होता है लेकिन कार्यशाला के नन्हे बच्चो ने अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया बच्चों की मेहनत के साथ-साथ उनके माता पिता भी बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम में कलार्पण संस्था के राम केदार जी, संस्कार भारती के जिला संरक्षक रामराज गिरी, संस्कार भारती के जिला महामंत्री पंकज मिश्रा, और मातृभूमि सेवा मिशन के संयोजक प्रदीप पांडे भी मौजूद रहे।

## जननायक कर्पूरी ठाकुर पार्क के सुन्दरीकरण हेतु रा0 नाई महासभा की हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। नगरपालिका

परिषद गौरीगंज द्वारा बनाये गये भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर पार्क मिश्रौली गौरीगंज के सौंदर्यीकरण हेतु राष्ट्रीय नाई महासभा शाखा जनपद अमेठी की एक विशेष बैठक सम्पन्न हुई। मंगलवार को बैठक में विभिन्न पदाधिकारियों व सदस्यों ने संबंधित अपनी-अपनी राय व्यक्त की। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संबंधित कार्यों को पूरा कराने के लिए विभिन्न स्तरों पर ज्ञापन सौंप कर विभिन्न कामों को करवाने का प्रयास किया जाय। बैठक में उपस्थित रहे प्रमुख पदाधिकारियों व अन्य सदस्यों में जिलाध्यक्ष रामबरन शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम शर्मा, प्रदेश सचिव विवेक शर्मा, राजकुमार शर्मा कोषाध्यक्ष, सरकार द्वारा मनोनीत सभासद नगरपालिका परिषद दीपक शर्मा नंदवंशी, अशोक कुमार, राधेश्याम सेन, आलोक ओरीपुर, प्रदीप उर्फ पवन, लालमणी, पवन कुमार फौजी, सेनीपुर संतोष कुमार, मोनू माधवनगर, सदाशिव माधवनगर, जितेन्द्र, नंदकुमार और के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक गौरीगंज आदि रहे।

## पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्री मद भागवत महापुराण कथा का आयोजन चंद्र गहना रोड कपसेठी कर्वी चित्रकूट धाम में हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चित्रकूट। कथावाचक पं. भागवत प्रसाद शास्त्री जी

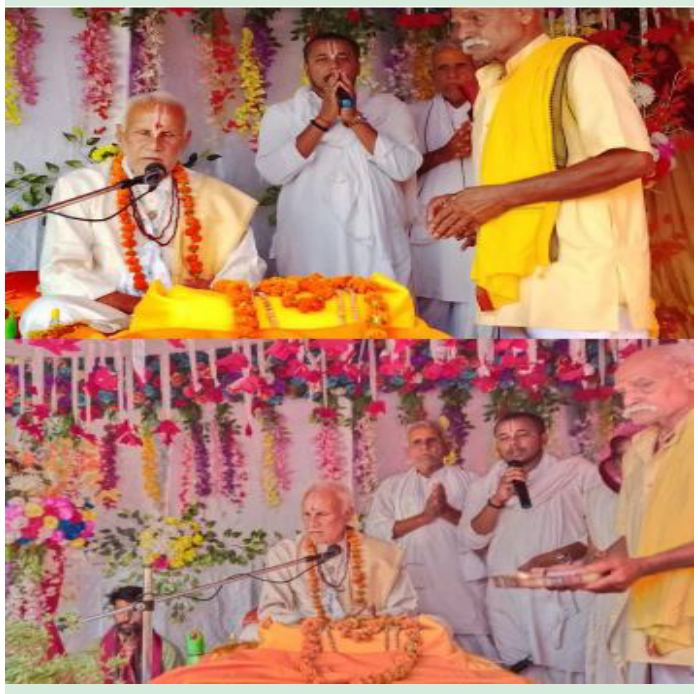

महाराज ने गोवर्धन पूजा के प्रसंग के दौरान मंगलवार को उन्होंने कहा कि किस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने भगवान इंद्र के घमंड को चूर करने के लिए बृजवासियों को गिरिराज की पूजा करने के लिए प्रेरित किया और इन्द्र के प्रकोप से बचाने के लिए अपनी ऊंगली पर गिरिराज को धारण कर समस्त बृजवासियों को बचाया। संगीतमय कथा वाचन के दौरान पांडाल में उपस्थित सैंकडों की संख्या में श्रद्धालु भाव विभोर हो कर नृत्य करने के साथ झूमने लगे। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के पैदा होने के बाद कंस उसको मौत के घाट उतारने के लिए अपनी राज्य की सर्वाधिक बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है। पूतना वेश बदलकर भगवान श्रीकृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण उसको मौत के घाट उतार देते हैं। उसके बाद कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन का कार्यक्रम करने की तैयारी करते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा उनको भगवान इंद्र की पूजन करने से मना करते हुए गोवर्धन महाराज की पूजन करने की बात कहते हैं। इंद्र भगवान उन बातों को सुनकर क्रोधित हो जाते हैं। वह अपने क्रोध से भारी वर्षा करते हैं। जिसको देखकर समस्त ब्रजवासी परेशान हो जाते हैं। भारी वर्षा को देख भगवान श्री कृष्ण गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर उठाकर पूरे नगरवासियों को पर्वत को नीचे बुला लेते हैं। जिससे हार कर इंद्र एक सप्ताह के बाद वर्षा को बंद कर देते हैं। जिसके बाद ब्रज में भगवान श्री कृष्ण और गोवर्धन महाराज के जयकारे लगाने लगते हैं। मौके पर भगवान को भोग लगाया गया। जब पृथ्वी पापियों का बोझ सहन नहीं कर पा रही थी, तब सभी देवता ब्रह्माजी व शिव के साथ क्षीर सागर में भगवान की स्तुति करने लगे। तब भगवान श्री हरि ने प्रसन्न होकर देवताओं को बताया कि मैं वासुदेव व देवकी के घर कृष्ण रूप में जन्म लूंगा और वृंदावन में मां यशोदा व नंदबाबा के घर बाल लीलाएं करूंगा। इसलिए आप सब भी उस समय धरती पर किसी ना किसी रूप में उपस्थित रहना।भगवान ने पृथ्वी पर श्रीकृष्णा अवतार धारण किया तब सभी देवता और स्वयं ब्रह्मा व शिव जी भी भगवान की लीलाओं के साक्षी बने थे। उन्होंने बताया कि इस तरह जब भी पृथ्वी पर कहीं भी भगवान का जन्मोमोत्सव मनाया जाता है, तो ये सब देवी-देवता भी वहां अवश्य आते है।जब भगवान ने कृष्ण जन्म लिया था, तब पृथ्वी पर ना जाने कितने जन्मों से जीव भगवान की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसी तरह जब भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाता है और उस जन्मोत्सव में जो भाग लेते है, वे कोई साधारण जीव नहीं होते वे बहुत पुण्यात्मा होते हैं। इस मौके पर आचार्य वैदिक पंडितः राहुल कृष्ण महराज जी( श्रीधाम वृंदावन) ,कथा आयोजन कर्ता श्री धीरेन्द्र सिंह , श्री शिव शरण सिंह,श्रीमती देवमती,श्री श्रीमती कमला देवी, पत्नी श्री शिव कुमार, श्री बाबूलाल, श्री शिव पूजन सिंह, श्री वीरेंद्र सिंह, श्री सत्येंद्र सिंह, पुष्पेन्द सिंह, अनुग्रह सिंह, विपिन सिंह,शुभांकर सिंह एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे है।

## पूर्व सांसद एवं पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष राजेश वर्मा के मकान के सामने से उनकी हत्या के इरादे से आए हुए व्यक्ति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सीतापुर। जनपद सीतापुर में

तम्बौर पुलिस की बदमाश से मुठभेड़, एक अभियुक्त गिरफ्तार थाना तम्बौर की पुलिस द्वारा थाना तम्बौर क्षेत्रान्तर्गत अभियुक्त शादाब पुत्र जाफर निवासी मोहल्ला शेखन टोला थाना तंबौर जनपद सीतापुर द्वारा पूर्व सांसद श्री राजेश वर्मा के मकान के सामने एक तमंचा, कुछ कारतूस और एक चाकू लेकर किसी पुरानी जमीनी रंजिश के कारण उनकी हत्या करने के इरादे से आया था, पुलिस के द्वारा पकड़े जाने के बाद रास्ते से फरार हो गया। सघन तलाशी के बाद उसे मुठभेड़ के पश्चात ज्ञानेंद्र भट्टे के पास के आम के बाग से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान उसने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से 02 फायर किए जिसके बाद आत्मरक्षार्थ में पुलिस की एक गोली उसके पैर में लग गयी जिससे अभियुक्त मो0 सादाब उपरोक्त घायल हो गया। प्रभारी निरीक्षक तम्बौर मय टीम के साथ तत्परता से यह कार्रवाई की।

## हरहुआ ब्लाक के उदयपुर में टीबी स्क्रीनिंग शिविर में104 लोगों की हुई जांच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/हरहुआ। टीबी मुक्त

भारत अभियान के अंतर्गत हरहुआ ब्लाक के उदयपुर स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित निःशुल्क टीबी स्क्रीनिंग शिविर में कुल 104 लोगों की जांच की गई।शिविर में 84 महिलाओं व 20 पुरुषों की जांच हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेता एवं किसान मोर्चा के जिला मंत्री प्रिंस चौबे ने स्वयं टीबी जांच कराकर किया।उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार टीबी मुक्त भारत अभियान गाँव गण चलाकर जागरूकता और स्क्रीनिंग टेस्ट करा रही है। लोग इस जांच का लाभ उठाएं। शिविर की मॉनिटरिंग कर रहे पीएचसी प्रभारी डॉ0सन्तोष कुमार ने कहा कि निःसंकोच पीएचसी आकर समय से जांच कराएं और स्वस्थ रहें। शिविर का संचालन एएनएम मिलन एवं सीएचओ शैफाली की देखरेख में किया गया, जबकि एक्स-रे टेकनीशियन दीपक ने जांच कार्य में सहयोग किया।

## 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी में '25वीं अंतर वाहिनी कंप्यूटर, एंटी सैवोटॉज चेक, विधि विज्ञान, पुलिस फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी एवं डॉग स्क्वायड प्रतियोगिता' का उद्घाटन

**1.मुख्य अतिथि आईपीएस राजेश कुमार श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ। 2.प्रतियोगिता में पीएसी पूर्वी जोन की कुल 10 टीम ने किया प्रतिभाग। 3.पहले दिन कंप्यूटर वर्ग की लिखित एवं मौखिक परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न।**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी, प्रयागराज के सभागार में आज से तीन दिवसीय '25वीं अंतर वाहिनी कंप्यूटर, एंटी सैवोटॉज चेक, विधि विज्ञान, पुलिस फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी एवं डॉग स्क्वायड प्रतियोगिता' का आधिकारिक शुभारंभ हुआ। यह तकनीकी पुलिस प्रतियोगिता आगामी 05 जून 2026 तक संचालित होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 42वीं वाहिनी के सेनानायक श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव (आईपीएस) रहे। वाहिनी परिसर पहुंचने पर सह आयोजन सचिव व उपसेनानायक श्री उदय प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि महोदय को ट्रीपॉट भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने सभी टीम प्रबंधकों से परिचय प्राप्त किया। मुख्य अतिथि श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा फीता काटकर, दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर खेल भावना को बनाए रखने और परीक्षाओं को शुचितापूर्ण, ईमानदारी व निष्ठापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई गई। उद्घाटन की घोषणा के साथ ही आज पहले दिन कंप्यूटर विषय की लिखित एवं मौखिक परीक्षाएं आयोजित की गईं। इस त्रैदिवसीय प्रतियोगिता में कुल 10 वाहिनियों की टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें 42वीं वाहिनी, 04वीं वाहिनी, 12वीं वाहिनी, 20वीं वाहिनी, 33वीं वाहिनी, 34वीं वाहिनी, 36वीं वाहिनी, 37वीं वाहिनी, 39वीं वाहिनी एवं 48वीं वाहिनी शामिल हैं।इस अवसर पर सहायक सेनानायक श्री वेद प्रकाश राय, वाहिनी चिकित्सक डॉ. ओम प्रकाश, शिविरपाल श्री अरविंद कुमार सिंह, सहायक शिविरपाल श्री हरदास और सूबेदार मेजर श्री राधेश्याम यादव सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु सैम हिंगिन्स इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (SHUATS) के प्रोफेसर एवं स्टाफ चयन समिति व निर्णायक मंडल के रूप में विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

## समाजवादी पार्टी ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

### नोएडा विधानसभा-61 की मतदाता सूची में भारी अनियमितताओं का आरोप,11,596 संदिग्ध मतदाता प्रविष्टियों की पहचान होने का दावा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन द्वारा सेक्टर-33 स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता का संचालन पार्टी के मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने किया।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. आश्रय गुप्ता ने आरोप लगाया कि नोएडा विधानसभा क्षेत्र-61 की मतदाता सूची में व्यापक एवं गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। पार्टी द्वारा किए गए स्थानीय स्तर के सत्यापन एवं जांच के दौरान अब तक 11,596 संदिग्ध मतदाता प्रविष्टियों की पहचान की गई है। इनमें अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां एक ही व्यक्ति के नाम पर एक से अधिक मतदाता पहचान पत्र जारी पाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में ऐसे कई उदाहरण मिले हैं, जहां एक ही व्यक्ति के नाम पर तीन, चार, पांच और यहां तक कि छह-छह वोटर आईडी दर्ज हैं। कई मामलों में मतदाता का नाम, आयु, पिता का नाम एवं अन्य विवरण समान पाए गए, जबकि उनका पंजीकरण अलग-अलग बूथों पर दर्ज है।

कुछ मामलों में एक ही बूथ संख्या पर भी एकाधिक प्रविष्टियां मिली हैं। डॉ. गुप्ता ने कहा कि यह स्थिति निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसीं) एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ एवं पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करने के दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। उन्होंने कहा, 'हमें शुरुआत से ही इस प्रक्रिया पर संदेह था, लेकिन अब उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्यों ने उन आशंकाओं को और मजबूत कर दिया है। अनियमितताओं से संबंधित मामलों का भी खुलासा किया जाएगा। महासचिव विकास यादव एवं मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि यह मामला किसी राजनीतिक दल की प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की बुनियाद और मतदाता सूची की शुद्धता एवं विश्वसनीयता का विषय है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मांग की कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय, स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

समाजवादी पार्टी निर्वाचन आयोग से इस पूरे मामले में लिखित स्पष्टीकरण मांगेगी तथा विस्तृत शिकायत स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजेगी।' निर्वाचन आयोग से पूछे गए प्रमुख प्रश्नः- यदि मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ थी, तो इतनी बड़ी संख्या में डुप्लीकेट प्रविष्टियां कैसे बनी रहीं? यदि यह प्रशासनिक त्रुटि है, तो इसके लिए जिम्मेदार निर्वाचन अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है अथवा की जाएगी? एक ही व्यक्ति के नाम पर अनेक वोटर आईडी तथा विभिन्न बूथों पर पंजीकरण कैसे संभव हुआ? क्या निर्वाचन आयोग पूरी मतदाता सूची का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पुनः परीक्षण कराएगा? यदि हां, तो दोषपूर्ण प्रविष्टियों को हटाने की समय-सीमा क्या होगी? इस प्रकरण में संबंधित जिलाधिकारियों एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही कैसे तय की जाएगी? पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुनील चौधरी ने कहा कि पार्टी की जांच प्रक्रिया अभी जारी है और भविष्य में भी प्रेस वार्ताओं के माध्यम से जनता एवं मीडिया के समक्ष और अधिक तथ्यों को रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में फर्जी मतदाता, हटाए गए मतदाताओं तथा अन्य पंचमुखी महादेव मंदिर के पीछे भव्य रिसॉर्ट एवं वाटर पार्क 'जेम्स वंडर लैंड' का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि जिला पर्यटन अधिकारी राजेश कुमार भारती एवं प्रकाश जीनियस एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव राजेंद्र प्रसाद जैन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने कहा कि यह रिसॉर्ट एवं वाटर पार्क लोगों को आधुनिक सुविधाओं के साथ मनोरंजन और विश्राम का उत्कृष्ट केंद्र प्रदान करेगा। परिसर में बच्चों और परिवारों के लिए विशेष आकर्षण, सुरक्षित जल क्रीड़ा सुविधाएं, हरियाली से भरपूर वातावरण तथा उच्चस्तरीय आतिथ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। मुख्य अतिथियों ने परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने प्रकाश जीनियस एजुकेशनल सोसायटी के इस प्रयास को क्षेत्र के विकास की दिशा में सराहनीय पहल बताया। नए मनोरंजन केंद्र के शुभारंभ से क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। लोगों ने इसे परिवारों के लिए एक बेहतरीन पर्यटन एवं मनोरंजन स्थल बताया। इस अवसर पर योग गुरु संकट मोचन, प्रमोद महाविद्यालय के प्रबंधक, संतोष कुमार पांडे, सुरेंद्र यादव, अरिहंत जैन, अभय कुमार शुक्ला, संध्या, कृष्ण यादव, शिवम, संतोष केसरी, संतोष कुमार, पूर्णिमा आदि उपस्थित रहे।

## स्वच्छता व्यवस्था को लेकर फोनरवा प्रतिनिधिमंडल ने विशेष कार्याधिकारी क्रांति शेखर से की मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शहर में पिछले कई दिनों से चल रही कूड़ा वाहन चालकों की हड़ताल के कारण उत्पन्न स्वच्छता संकट तथा शहर भर में लगे कूड़े के ढेरों से नागरिकों को हो रही भारी परेशानियों के संबंध में आज फोनरवा के एक प्रतिनिधिमंडल ने विशेष कार्याधिकारी क्रांति शेखर से मुलाकात कर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा ने कहा कि बार-बार होने वाली हड़तालों के कारण शहर की स्वच्छता व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। फोनरवा अध्यक्ष ने क्रान्ति शेखर जी से कहा कि ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए स्थायी एवं वैकल्पिक व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि भविष्य में शहरवासियों को इस प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में विभिन्न सेक्टरों की आरडब्ल्यूए अपने स्तर पर घर-घर से कूड़ा संग्रहण का कार्य करवाती थीं। उस व्यवस्था में कूड़ा समय पर उठता था तथा संबंधित एजेंसियों पर आरडब्ल्यूए का प्रभावी नियंत्रण भी रहता था। परिणामस्वरूप हड़ताल जैसी परिस्थितियों का सामना कभी नहीं करना पड़ता था। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी चिंता व्यक्त की कि जब से नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग को समाप्त कर उसे सिविल विभाग में समाहित किया गया है, तब से शहर की सफाई व्यवस्था में गिरावट देखने को मिल रही है। विभिन्न वर्क सर्किलों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों के दायित्वों को लेकर स्पष्टता का अभाव दिखाई देता है, जिसके कारण सफाई कार्य अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पा रहे हैं।प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए बड़े नालों एवं जल निकासी तंत्र की सफाई का मुद्दा भी उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि मानसून शुरू होने में अब बहुत कम समय शेष है, जबकि अनेक स्थानों पर बड़े नालों की सफाई अभी तक नहीं हुई है। यदि समय रहते आवश्यक कार्यवाही नहीं की गई तो वर्षा के दौरान सेक्टरों में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। बैठक में शहर की स्वच्छता, कूड़ा निस्तारण, जल निकासी एवं अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। विशेष कार्याधिकारी श्री क्रांति शेखर ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही एवं समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में अशोक मिश्रा, एडवोकेट लाट साहब लोहिया, प्रदीप वोहरा, जी.एस. सचदेवा, कोसिंदर यादव, विनोद शर्मा, देवेन्द्र यादव, अनीता सिंह एवं सुभाष भाटी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## रौप में 'जेम्स वंडर लैंड' रिसॉर्ट एवं वाटर पार्क का हुआ भव्य उद्घाटन

### जिला पर्यटन अधिकारी व राजेंद्र प्रसाद जैन ने किया शुभारंभ, पर्यटन व रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को रौप स्थित

## समर स्कूल में छात्रों ने सीखी जनरेटिव एआई, एथिकल हैकिंग, रोबोटिक्स एवं वेब डेवलपमेंट की तकनीक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित आईएमएस नोएडा में आयोजित समर स्कूल के दौरान विद्यार्थियों ने आईटी मॉड्यूल की जानकारी दी गयी। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से जनरेटिव एआई, एथिकल हैकिंग, रोबोटिक्स एवं इंटरनेट ऑफ थिंग्स तथा वेब डेवलपमेंट जैसी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। आईएमएस नोएडा की डीन (सीआरसी एवं मैनेजमेंट) डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी ने कहा कि बुधवार को समर स्कूल के दौरान प्रशिक्षकों ने छात्रों को जनरेटिव एआई के विभिन्न अनुप्रयोगों, कंटेंट निर्माण, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जिम्मेदार उपयोग के बारे में जानकारी दी। वहीं एथिकल हैकिंग सत्र में साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांतों, नेटवर्क सुरक्षा, डिजिटल खतरों की पहचान तथा डेटा सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। वहीं आज के कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि समर स्कूल के तीसरे दिन विद्यार्थियों को आईटी मॉड्यूल की जानकारी दी गयी। बुधवार को छात्रों ने सेंसर आधारित परियोजनाओं, स्मार्ट डिवाइसों और स्वचालित प्रणालियों के निर्माण की प्रक्रिया को समझा। इसके साथ ही वेब डेवलपमेंट प्रशिक्षण में वेबसाइट डिजाइनिंग, फ्रंट-एंड डेवलपमेंट, यूजर इंटरफेस तथा आधुनिक वेब तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट्स और गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करते हुए अपनी रचनात्मकता और तकनीकी समझ का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षकों ने छात्रों को उद्योग जगत में इन तकनीकों की बढ़ती मांग और उनके करियर अवसरों के बारे में भी जानकारी दी।

## ग्राम मुसही में गर्भवती महिलाओं को बांटी गई निःशुल्क पोषण पोटली,सांसद छोटेलाल खरवार ने किया शुभारंभ, 48 महिलाओं को मिला लाभ

### स्वस्थ माता, स्वस्थ बच्चा, स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज का निर्माण,कुंज इनोवेशन ट्रस्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को विकास खण्ड रॉबर्ट्सगंज के ग्राम मुसही के सामुदायिक भवन में गर्भवती महिलाओं के उत्तम स्वास्थ्य के लिए कुंज इनोवेशन ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन भारत सरकार के उपक्रम नेशनल शेड्यूल्ड कास्ट्स फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, दिल्ली के सीएसआर सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सपा सांसद छोटेलाल खरवार ने दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि द्वारा 48 गर्भवती महिलाओं को पोषण पोटली वितरित की गई, जिसमें मूंगफली, सोयाबीन, राजमा, गुड़ व लाई जैसी पोषक सामग्री शामिल थी। सांसद ने सभी महिलाओं के स्वास्थ्य लाभ की कामना की। खरवार ने कहा कि गर्भावस्था में माताओं-बहनों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आहार में प्रतिदिन पौष्टिक सामग्री बढ़ाएं और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लें। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की भी विस्तार से जानकारी दी गई। ट्रस्ट के विशेषज्ञों ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। नएसएफडीसी लखनऊ के उप प्रबंधक रविंद्र नाथ गौण ने बताया कि सीएसआर के तहत पोषण पोटली का वितरण किया जा रहा है। आज बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के सहयोग से चयनित 48 महिलाओं को लाभ मिला।

विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ भी आगे जनपद के लोगों को दिया जाएगा।

ट्रस्ट की पदाधिकारी संजू कुशवाहा एवं मृत्युंजय ने कहा कि कुपोषण की रोकथाम व मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधार के लिए यह पहल की गई है। कार्यक्रम में महिलाओं को जागरूकता पोस्टर व लीफलेट भी वितरित किए गए।

## सोनभद्र कचहरी में फर्जी अधिवक्ताओं-मुंशियों पर कसा शिकंजा,बार एसोसिएशन ने चलाया सघन जांच अभियान, बिना पंजीकरण मिले लोगों को परिसर से निकाला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को संपूर्ण कचहरी परिसर में बिना पंजीकरण कार्य कर रहे फर्जी अधिवक्ताओं एवं मुंशियों की पहचान के लिए सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट व पूर्व उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट तथा सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट एवं महामंत्री योगेश कुमार द्विवेदी एडवोकेट ने किया। जांच के दौरान बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश में पंजीकृत अधिवक्ताओं की सूची से मिलान कर परिसर में मौजूद सभी व्यक्तियों के परिचय-पत्र व पंजीकरण प्रमाण-पत्र देखे गए। संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर परिसर से बाहर किया गया और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई के लिए रिपोर्ट तैयार की जा रही है। सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बिना पंजीकरण के वकालत करना अधिवक्ता अधिनियम, 1961 का उल्लंघन है। न्यायिक व्यवस्था की गरिमा और वादकारियों के हितों की रक्षा हमारी प्राथमिकता है। यह अभियान नियमित चलाया जाएगा ताकि कचहरी परिसर दलाल-मुक्त रहे। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह ने बताया कि फर्जी मुंशियों और अधिवक्ताओं द्वारा वादकारियों से धन उगाही की शिकायतें मिल रही थीं। यह अभियान वादकारियों को शोषण से बचाने का ठोस कदम है। सभी पंजीकृत अधिवक्ताओं से अनुरोध है कि वे मुवक्किलों को जागरूक करें और केवल अधिकृत मुंशियों को ही रखें। अभियान में योगेश कुमार द्विवेदी, पवन कुमार सिंह, ओम कुमार चतुर्वेदी, राजेश कुमार यादव, धीरज कुमार पांडेय, सुरेश सिंह कुशवाहा, अशोक पाठक, प्रवीण प्रताप सिंह, आशीष मिश्रा मंटू, टीटू गुप्ता, शारदा मौर्य, संतोष यादव, कामता यादव सहित कई अधिवक्ता शामिल रहे।

# सपा नेताओं ने राजेश हत्याकांड पर उठाई आवाज, दोषियों को फांसी की मांग

## नमो घाट वाराणसी में निजी सुरक्षाकर्मियों की पिटाई से हुई थी मौत, 50 लाख मुआवजा व सरकारी नौकरी की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर मंगलवार को सपा प्रतिनिधिमंडल ने राजेश जायसवाल हत्याकांड को लेकर कड़ा रुख अपनाया। 23 मई 2026 को ग्राम बैउआ, थाना रायपुर, सोनभद्र निवासी 18 वर्षीय सब्जी व्यापारी राजेश जायसवाल उर्फ चिंटू की नमो घाट वाराणसी में निजी सुरक्षा कर्मियों की बेरहमी से पिटाई के बाद मौत हो गई थी। सपा नेताओं ने कहा कि विश्वस्तरीय पर्यटक स्थल पर हुई यह घटना पूरे व्यापारी समाज व मानवता को झकझोरने वाली है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार निजी सुरक्षाकर्मियों ने बिना वैधानिक अधिकार के कानून हाथ में लेकर गाली-गलौज, मारपीट व जान से मारने की धमकी दी। राजेश के साथ मौजूद अन्य युवकों को भी गंभीर चोटें आईं। प्रतिनिधिमंडल ने पांच सूत्रीय मांग रखी। नमो घाट के सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर निष्पक्ष जांच, दोषी सुरक्षाकर्मियों की तत्काल गिरफ्तारी, सुरक्षा कंपनी व प्रबंधन को सह-अभियुक्त बनाने, पीड़ित परिवार को 50 लाख व एक सरकारी नौकरी तथा घायलों को 10-10 लाख मुआवजा देने की मांग की। साथ ही फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग उठाई। सपा नेताओं ने चेताया कि मांगें पूरी न होने पर सड़क से लेकर विधानसभा व लोकसभा तक मुद्दा उठाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भाजपा के प्रभारी मंत्री द्वारा दिया गया 5 लाख का आर्थिक सहयोग पहले से सपा सरकार में प्राविधानित था। यह सरकार पूंजीपतियों की है, गरीब-किसान-व्यापारी से कोई लेना-देना नहीं। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव, सांसद छोटेलाल सिंह खरवार, एमएलसी आशुतोष सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी व्यापार सभा प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल यादव, डॉ. अजय चौरसिया, दिनेश अग्रहरी काजू सहित संजय यादव, विजय यादव, सईद कुरैशी, चेखूर पांडेय, मन्नू पांडेय, डॉ. केडी सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

# बरैला महादेव मंदिर में 8 जून से श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ का आयोजन

## ध्वज पूजन के साथ हुई तैयारियों की शुरुआत, मनीष शरण महाराज सुनाएंगे कथा, यज्ञ कमेटी ने किया श्रद्धालुओं को आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज के बरैला

महादेव मंदिर प्रांगण में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ एवं संगीतमय प्रवचन का आयोजन 8 जून से 14 जून 2026 तक किया जाएगा। यज्ञाचार्य सौरभ भारद्वाज ने बताया कि कथावाचक के रूप में राष्ट्रीय कथा व्यास परम पूज्य मनीष शरण महाराज श्रीमद्भागवत कथा का प्रवचन करेंगे। यज्ञ का शुभारंभ 8 जून को प्रातः 7 बजे मंगल कलश शोभायात्रा एवं मंडप प्रवेश पूजन के साथ होगा। इसकी तैयारी के तहत रविवार को भव्य दिव्य वेद मंत्रों की ध्वनि के साथ ध्वज पूजन किया गया। इस यज्ञ के मुख्य यजमान अरविंद शरण सिंह, चिंतेश बहादुर सिंह व अनिल त्रिपाठी 'त्रिपाठी ब्रदर्स' रहेंगे। एकादश वैदिक विद्वानों व पुजारी देवनाथ बाबा के सान्निध्य में पूजन-अर्चन व वंदन संपन्न हुआ। ध्वज पूजन के अवसर पर रवि प्रकाश पांडे, संदीप सिंह, देवनाथ बाबा, पंडित राजकुमार पांडे, पंडित धीरज शास्त्री, विनय चौबे, किशन पांडे, आदित्य दुबे, शुभम, शिवम समेत कई श्रद्धालु मौजूद रहे। यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष इंजीनियर अखिलेश चतुर्वेदी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि यज्ञ के दौरान प्रतिदिन रात्रि 7 बजे से 10 बजे तक संगीतमय प्रवचन होगा। वहीं दिन में प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक पारायण पूजन किया जाएगा। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों से आग्रह किया कि पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में आकर श्रीमद् भागवत की कथा श्रवण कर पुण्य के भागी बनें। आयोजकों के अनुसार कथा श्रवण से जीवन में आध्यात्मिक शांति, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यज्ञ की सभी तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं।

# जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई, लापरवाही पर लेखपाल निलंबित

**आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में देरी, अंश निर्धारण में शिथिलता पर कार्रवाई,आईजीआरएस में लापरवाही पर प्रशासन का बड़ा एक्शन,डीएम की सख्ती लेखपाल निलंबित, कई अधिकारियों का वेतन रोका, जन शिकायतों के निस्तारण में ढिलाई पड़ी भारी, सुशासन पर फोकस डीएम ने दिखाई सख्ती**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में जनपद में

प्रशासनिक कार्यों की नियमित समीक्षा के दौरान लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण न करने, अंश निर्धारण के मामलों में अपेक्षित प्रगति न लाने के मामले में लेखपाल मदन मोहन यादव के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई है। उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज द्वारा जारी आदेश के अनुसार, क्षेत्र सुरसत खुर्द, राजस्व निरीक्षक क्षेत्र रायपुर में तैनात लेखपाल मदन मोहन यादव को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है तथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित संदर्भों का समय से निस्तारण नहीं किया गया, अंश निर्धारण के कार्यों में शिथिलता बरती गई। इन मामलों को गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानते हुए यह कार्रवाई की गई है। इसी प्रकार से तहसीलदार सदर, तहसीलदार ओबरा, तहसीलदार घोरावल, तहसीलदार दुद्धी, क्षेत्रिय प्रदूषण अधिकारी, को स्पष्टीकरण जारी किया गया है इसी क्रम में अधीक्षण अभियन्ता जल निगम ग्रामीण, अधिशासी अभियन्ता विद्युत पिपरी, क्षेत्रिय वना अधिकारी वन प्रभाग सोनभद्र (एस0डी0ओ0), अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत डाला, क्षेत्रिय वना अधिकारी बन प्रभाग ओबरा, लेखपाल तिलौली कला, लेखपाल बैराखड़, लेखपाल पिड़ारी, लेखपाल पतरिहा, लेखपाल चौना, लेखपाल घिवाही, लेखपाल सलहीयाडीह, लेखपाल मारकुण्डी, लेखपाल अइलकर, लेखपाल सुवृत्त, लेखपाल व्यवहारी, लेखपाल जेन्दी, लेखपाल चिन्तामानपुर, लेखपाल परही, लेखपाल मधुपुर, लेखपाल गुल्लीडाढ़, लेखपाल बड्ड, खण्ड विकास अधिकारी रावर्टसगंज, थानाध्यक्ष बभनी, अधिशासी अभियन्ता मीरजापुर नहर प्रखण्ड को जून माह का वेतन भुगतान पर रोक लगायी गयी है। अत्यधिक असंन्तुष्ट फीडबैक प्राप्त होने व आई0जी0आर0एस0 पर प्राप्त शिकायतो का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न किये जाने के सम्बन्ध मे। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने स्पष्ट किया है कि जन शिकायतों के निस्तारण, राजस्व मामलों और न्यायालयीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। शासन की प्राथमिकताओं एवं जनहित से जुड़े मामलों में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

# जनपद के प्रभारी मंत्री एवं मा0 राज्य मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग श्री हंसराज विश्वकर्मा 04 जून को करेंगे सोनभद्र का दौरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, श्री हंसराज विश्वकर्मा दिनांक 04 जून 2026 को जनपद सोनभद्र के भ्रमण पर रहेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मा0 मंत्री जी प्रातः 09:00 बजे वाराणसी स्थित सर्किट हाउस से प्रस्थान कर 10:30 बजे सर्किट हाउस, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र पहुंचेंगे। इसके उपरांत वह जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों से मुलाकात करेंगे। प्रातः 11:00 बजे मा0 प्रभारी मंत्री जी कलेक्ट्रेट सभागार, रॉबर्ट्सगंज में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 05 जून से 21 जून 2026 तक आयोजित होने वाले जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के संबंध में प्रशासनिक समन्वय समिति एवं कोर कमेटी की तैयारी एवं समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करेंगे। इसके पश्चात अपराह्न 01:10 बजे सर्किट हाउस, रॉबर्ट्सगंज पहुंचकर विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। दोपहर 02:00 बजे मध्याह्न भोजन के उपरांत मा0 मंत्री जी अपराह्न 02:45 बजे वाराणसी के लिए प्रस्थान करेंगे तथा सायं 04:30 बजे सर्किट हाउस, वाराणसी पहुंचेंगे।

# जनगणना कार्य में लापरवाही पर 48 प्रगणकों का वेतन रोका गया,दो दिवस में प्रगति सुधारने के निर्देश, अन्यथा होगी कठोर कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जनपद की चारों तहसीलों में कार्यरत प्रगणकों एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया।

बैठक में पाया गया कि कुल 48 प्रगणकों द्वारा आवंटित प्रगणना ब्लॉकों में प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। इन 48 प्रगणको में रावर्टसगंज के 19, घोरावल के 10, दुद्धी के 10, ओबरा तहसील 09 सम्मलित है। प्रगणकों द्वारा एच0एल0ओ0 एप पर परिवारों की संख्या संबंधी आंकड़ों का सिंक नहीं किया गया है, जिससे कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी पाई गई।

इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित 48 प्रगणकों के वेतन भुगतान पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित चार्ज अधिकारियों, सुपरवाइजरों एवं प्रगणकों को निर्देशित किया कि आगामी दो दिवस के भीतर कार्य में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में अपेक्षित सुधार न होने पर संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा के दौरान ग्रासिम इंडस्ट्री से संबंधित चार्ज अधिकारियों की प्रगति भी संतोषजनक नहीं पाई गई। जिसपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा जनगणना कार्य को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने पर विशेष तेजी लाने के निर्देश दिये।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

# मानसून से पहले कराएं वाटरप्रूफिंग, क्या नए घर में भी कराना जरूरी, जानें सही तरीका और जरूरी सावधानियां

लखनऊ। मानसून जल्द ही केरल में दस्तक देने वाला है। लगभग 20 दिन बाद मध्य-उत्तर भारत में भी पहुंच जाएगा। अगर मानसून से पहले घर की देखभाल न करने पर छोटी दरारें, सीलन और लीकेज भी बड़ी समस्या बन सकती हैं। इसलिए घर की सुरक्षा के लिए समय रहते वाटरप्रूफिंग जरूरी है। कुछ लोग मानते हैं कि नए घरों में वाटरप्रूफिंग की जरूरत नहीं होती। लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुसार, इससे छत, दीवार और बेसमेंट सुरक्षित रहते हैं। साथ ही घर की लाइफ भी बढ़ती है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज वाटरप्रूफिंग की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कैसे समझें कि घर में वाटरप्रूफिंग की जरूरत है? इस दौरान किन बातों का ध्यान रखें? इन्ही चीज़ो को समझेंगे एक्सपर्टः दिनेश कुमार, सिविल इंजीनियर, लखनऊ जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। बारिश के कारण छोटे क्रैक्स और नमी बड़े लीकेज में बदल सकते हैं। समय पर की गई वाटरप्रूफिंग घर को लंबे समय तक सुरक्षित रखती है और मरम्मत का खर्च कम करती है। इससे घर को नुकसान होता है और उसकी लाइफ कम होती है। सवाल- क्या नए घरों में भी वाटरप्रूफिंग करा लेनी चाहिए। इससे मरम्मत, कोटिंग और सूखने (क्योरिंग) के लिए पर्याप्त समय मिलता है। सवाल- वाटरप्रूफिंग का काम कौन करता है? अपने शहर में सही कॉन्ट्रैक्टर कैसे ढूंढें? जवाब- वाटरप्रूफिंग का काम आमतौर पर स्पेशलाइज्ड वाटरप्रूफिंग कॉन्ट्रैक्टर, सिविल रिपेयर कंपनियां या बिल्डिंग मेंटेनेंस सर्विस प्रोवाइडर करते हैं। ये लोग छत, बाथरूम, दीवार, बेसमेंट और पानी की टंकी जैसी जगहों पर लीकेज रोकने के लिए अलग-अलग टेक्नीक और केमिकल इस्तेमाल करते हैं। वाटरप्रूफिंग कॉन्ट्रैक्टर ढूंढ रहे हैं, तो इन बातों का ध्यान रखें- पहले उनकी पुरानी साइट्स या काम की फोटो देखें। कॉन्ट्रैक्टर से लिखित वारंटी जरूर लें। कौन-सा मटेरियल इस्तेमाल होगा, यह स्पष्ट पूछें। सिर्फ सस्ता कोटेशन देखकर फैसला न लें। गूगल रिव्यूज और लोकल रेफरेंस जरूर चेक करें। ऐसे कॉन्ट्रैक्टर चुनें, जो पहले साइट इंस्पेक्शन करे, फिर समाधान बताएं। काम शुरू होने से पहले एरिया, लेयर और टाइमलाइन लिखित में तय करें। सवाल- वाटरप्रूफिंग कितने प्रकार की होती है? कौन-सी टेक्नीक मेम्ब्रेन सिस्टम 10-15 साल तक चल सकते हैं। खराब ड्रेनेज, दरारें और तेज धूप इसकी लाइफ घटा सकते हैं। इसलिए समय-समय पर निरीक्षण जरूरी है। सवाल- वाटरप्रूफिंग कराते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- वाटरप्रूफिंग कराते समय कुछ बातों का ख्याल जरूर रखें-लीकेज और दरारों की जांच कराएं। सतह साफ और सूखी होनी चाहिए। जरूरत के मुतबिक वाटरप्रूफिंग चुनें। क्वालिटी मटेरियल का इस्तेमाल करें। अनुभवी कॉन्ट्रैक्टर से काम कराएं। ड्रेनेज सिस्टम की जांच करवाएं। काम के बाद निरीक्षण कराते रहें। वाटरप्रूफिंग से जुड़े जरूरी सवाल-जवाबः- सवाल- क्या पुरानी छत पर दोबारा वाटरप्रूफिंग कराई जा सकती है?जवाब- हां, पुरानी छत पर दोबारा वाटरप्रूफिंग कराई जा सकती है। पहले पुरानी लेयर, क्रैक्स और लीकेज की जांच जरूरी होती है। जरूरत पड़ने पर सतह रिपेयर की जाती है। उसके बाद नई कोटिंग या मेम्ब्रेन लगाई जाती है। सही रिपेयर से

वाटरप्रूफिंग जरूरी है? जवाब- हां, इसे 'प्रिवेंटिव वाटरप्रूफिंग' कहते हैं। इससे भविष्य की समस्याओं से बचाव होता है। नया घर बनने के बाद कंक्रीट और प्लास्टर में हल्की दरारें आ सकती हैं, जिनसे पानी अंदर जा सकता है। समय पर वाटरप्रूफिंग कराने से छत टपकने, सीलन और पेंट खराब होने का रिस्क कम होता है। इससे सरिया और कंक्रीट सुरक्षित रहते हैं और घर मजबूत बना रहता है। निर्माण के समय वाटरप्रूफिंग कराना बाद में रिपेयर कराने की तुलना में सस्ता और आसान पड़ता है। सवाल- वाटरप्रूफिंग कराने का सही समय क्या है? जवाब- इसका सबसे सही समय मानसून से पहले है। सूखी सतह पर सामग्री बेहतर काम करती है। कोटिंग और केमिकल्स को सूखने का पूरा समय मिलता है। गर्म और सूखे मौसम में क्रैक्स व लीकेज आसानी से दिख जाते हैं और उन्हें ठीक किया जा सकता है।पहले से कराया गया काम बारिश के दौरान मरम्मत कराने से ज्यादा किफायती होता है। सवाल- मानसून शुरू होने से कितने दिन पहले वाटरप्रूफिंग करा लेनी चाहिए? जवाब- मानसून शुरू होने से कम-से-कम 25-30 दिन पहले सबसे टिकाऊ मानी जाती है? जवाब- घर में जरूरत के हिसाब से कई तरह की वाटरप्रूफिंग टेक्नीक इस्तेमाल की जाती हैं। हर टेक्नीक का उपयोग अलग जगह और समस्या के अनुसार होता है। सवाल- छत की वाटरप्रूफिंग में कितना खर्च आता है? खर्च कैसे कैलकुलेट करें? जवाब- खर्च आमतौर पर प्रति वर्गफुट तय होता है। टेक्नीक, मटेरियल और लीकेज की स्थिति पर लागत निर्भर करती है। साधारण कोटिंग सस्ती होती है, जबकि इंज (पॉलीयुरेथेन) और मेम्ब्रेन सिस्टम महंगे होते हैं। क्रैक्स रिपेयर और लेबर चार्ज अलग जुड़ सकते हैं। इसलिए पहले साइट की माप और कॉन्ट्रैक्टर के साथ निरीक्षण जरूरी है। सवाल- क्या छत और दीवारों के लिए अलग-अलग वाटरप्रूफिंग टेक्नीक होती है? जवाब- हां, दोनों के लिए अलग टेक्नीक इस्तेमाल होती है। छत पर पानी ज्यादा रुकता है, इसलिए मजबूत मेम्ब्रेन या पीयू कोटिंग लगती है। बाहरी दीवारों में एंटी-सीपेज और युवी-रेजिस्टेंट कोटिंग कारगर रहती है। बाथरूम और बेसमेंट के लिए अलग सिस्टम चुने जाते हैं। सवाल- एक बार वाटरप्रूफिंग कराने के बाद यह कितने साल तक चलती है? जवाब- छत की लाइफ बढ़ सकती है। सवाल- क्या वाटरप्रूफिंग कराने के बाद भी रेगुलर मेंटेनेंस जरूरी होता है? जवाब- हां, रेगुलर मेंटेनेंस जरूरी है। इसके लिए- छत पर पानी जमा न होने दें। क्रैक्स और ड्रेनेज समय-समय पर चेक करें।गटर और पाइप साफ रखें। छोटी खराबी तुरंत ठीक कराएं। रेगुलर निरीक्षण से वाटरप्रूफिंग ज्यादा समय तक टिकती है। सवाल- क्या वाटरप्रूफिंग पर कंपनी वारंटी या गारंटी देती है? जवाब- हां, कई कंपनियां और कॉन्ट्रैक्टर वारंटी देते हैं। वारंटी टेन्योर टेक्नीक और मटेरियल पर निर्भर करती है। सामान्य तौर पर 5-10 साल तक की वारंटी मिल सकती है। शर्तें पहले लिखित में जरूर लें। वारंटी में रिपेयर, लीकेज और सर्विस कवरेज समझना जरूरी है। सवाल-वाटरप्रूफिंग और डैम्प-प्रूफिंग में क्या अंतर है? जवाब- वाटरप्रूफिंग पानी के लीकेज को पूरी तरह रोकती है। डैम्प-प्रूफिंग सिर्फ नमी और सीलन कम करने के लिए होती है। वाटरप्रूफिंग छत, बेसमेंट और टैंक में ज्यादा उपयोग होती है। डैम्प-प्रूफिंग दीवारों और फर्श में नमी रोकने के लिए इस्तेमाल होती है। वाटरप्रूफिंग ज्यादा मजबूत और टिकाऊ समाधान माना जाता है।

# मौसम/तापमान में उतार चढाव होता हैं रिस्की

## तापमान बढ़ने पर बदलता हैं व्यवहार,चिड़चिड़ापन,समझें ब्रेन और इमोशंस पर हीट का असर

नयी दिल्ली। गर्मी में टेम्परेचर बढ़ने पर ज्यादातर लोग थकान, चिड़चिड़ापन या कम नींद जैसी समस्याएं महसूस करते हैं। कई बार काम में फोकस कम हो जाता है, बात-बात पर गुस्सा आता है या बिना वजह बेचैनी बढ़ती है। हीट वेव या लगातार हाई टेम्परेचर से स्ट्रेस लेवल, स्लीप प्रॉब्लम्स और मूड स्विंग्स से जुड़े केस बढ़ सकते हैं। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, गर्मियों में मेंटल हेल्थ डिपार्टमेंट के केस 8फीसदी तक बढ़ जाते हैं। डिहाइड्रेशन, खराब स्लीप पैटर्न और डेली रूटीन में बदलाव मिलकर 'मेंटल बैलेंस' को प्रभावित करते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज जानेंगे कि गर्मी ब्रेन को कैसे प्रभावित करती है। किन लोगों को ज्यादा रिस्क होता है? इससे बचने के आसान उपाय क्या हैं?साथ ही जानेंगे कि- विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. नीलशा भेरवानी, सीनियर कंसल्टेंट, क्लिनिकल साइकोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गर्मियों में टेम्परेचर बढ़ने पर हमारे मूड और ब्रेन फंक्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर होने पर शरीर को ठंडा रखने के लिए ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है, जिससे थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। डिहाइड्रेशन हो सकता है, जिससे फोकस और याददाश्त पर बुरा असर पड़ता है। ब्रेन में सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे फील गुड हॉर्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है। इससे मूड स्विंग, बेचैनी और गुस्सा बढ़ने की संभावना रहती है। स्लीप क्वालिटी खराब हो सकती है, जो ब्रेन फंक्शन को प्रभावित करती है। लंबे समय तक हीट एक्सपोजर से निर्णय लेने की क्षमता और फोकस भी कमजोर हो सकता है। सवाल- गर्मी बढ़ने पर किस तरह की मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं? जवाब- गर्मी का असर ब्रेन और इमोशंस पर भी पड़ता है। इससे डिहाइड्रेशन, नींद की कमी और हार्मोनल बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे कौन-सी मेंटल हेल्थ समस्याएं हो सकती हैं, स्ट्रेस लेवल बढ़ना, स्ट्रेस, स्लीप प्रॉब्लम या मूड स्विंग्स के केस बढ़ जाते हैं? जवाब- हां, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के मुताबिक, हीट वेव के समय प्रभावित हो सकती है, जिससे सोचने की क्षमता घटती है। शरीर में फ्लूइड कम होने से फोकस और अलर्टनेस में कमी महसूस होती है। इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के कारण लो एनर्जी और मानसिक सुस्ती बढ़ सकती है। इमोशनल कंट्रोल कमजोर हो सकता है, जिससे गुस्सा या उदासी जल्दी आती है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से थकान और अन्य मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क ज्यादा हो सकता है। सवाल- अगर किसी को एंग्जाइटी, डिप्रेशन या स्लीप डिसऑर्डर है तो क्या गर्मियों में स्थिति और बिगड़ सकती है? जवाब- हां, गर्मी ज्यादा होने पर ये समस्याएं और बढ़ सकती हैं। पॉइंटर्स में समझिए- पसीने के साथ इलेक्ट्रोलाइट लॉस होने से ब्रेन फंक्शन और मूड कंट्रोल प्रभावित हो सकता है। तेज रोशनी और दिन लंबे होने से सर्केडियन रिद्म बिगड़ सकती है, जिससे स्लीप क्वालिटी खराब होती है। डिहाइड्रेशन के कारण कंसंट्रेशन और एंग्जाइटी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।ज्यादा थकान और लो एनर्जी डिप्रेशन के लक्षणों को ट्रिगर कर सकती है। सवाल- गर्मियों में कौन-सी हैबिट्स दिमाग और मूड पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जिनसे बचना चाहिए? जवाब- गर्मियों में ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी से ब्रेन पर स्ट्रेस हार्मोन बढ़ सकता है। हाई कैफीन या शुगरी ड्रिंक लेने से मूड स्विंग्स और हार्ट रेट बढ़ सकती है। देर रात तक स्क्रीन यूज करने से मेलाटोनिन रिलीज कम होता है और स्लीप साइकल बिगड़ती है। अनियमित बोजन या जंक फूड से ब्लड शुगर फ्लक्चुएशन होता है, जो इमोशनल स्टेबिलिटी को प्रभावित करता है। एसी और बाहर की गर्मी के बीच बार-बार एक्सपोजर से शरीर पर एडजस्टमेंट स्ट्रेस बढ़ता है। पानी कम पीने से भी मेंटल और फिजिकल परफॉर्मेंस घट सकती है। सवाल- गर्मियों में 'मेंटल बैलेंस' के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव पॉइंटर्स में समझिए- सुबह या शाम के ठंडे समय में हल्की एक्सरसाइज या वॉक करें।पूरे दिन में पर्याप्त पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स लें। स्लीप हाइजीन सुधारें, कमरे का टेम्परेचर कम रखें और लाइट कम रखें। डाइट में ताजे फल, सलाद और ओमेगा-3 से भरपूर फूड्स शामिल करें। दिन में छोटे-छोटे ब्रेक लें और रिलैक्सेशन टेक्नीक (जैसे डीप ब्रीदिंग) अपनाएं। सनलाइट एक्सपोजर सीमित रखें।डेली रूटीन नियमित बनाए रखें। सवाल- मूड और ब्रेन हेल्थ के लिए गर्मियों में कैसी डाइट होनी चाहिए? जवाब- ऐसी डाइट लें, जो शरीर को हाइड्रेटेड, हल्की और न्यूट्रिएंट-डेंस रखे, ताकि ब्रेन को लगातार ग्लूकोज और माइक्रोन्यूट्रिएंट मिलते रहें। सवाल- जो लोग आउटडोर काम करते हैं या ज्यादा गर्मी में रहते हैं, उन्हें मेंटल वेलबीइंग के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- काम के दौरान हर 30-40 मिनट में शेड या ठंडी जगह पर छोटा ब्रेक लें, ताकि ब्रेन ओवरहीटिंग से बच सके। ढीले, हल्के रंग के कपड़े पहनें, जिससे शरीर का टेम्परेचर कंट्रोल में रहता है और थकान कम होती है। काम की टाइमिंग संभव हो तो सुबह या देर शाम रखें। इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक या नींबू पानी लेने से नर्व और मसल फंक्शन बेहतर रहता है। सीधे सनलाइट एक्सपोजर से बचें। काम के बाद रिलैक्सेशन एक्टिविटी (म्यूजिक, मेडिटेशन) करें। सवाल- अगर तेज गर्मी में घबराहट, बेचैनी या पैनिक जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत क्या करना चाहिए?जवाब- तुरंत ठंडी या हवादार जगह पर बैठें या लेटें ताकि शरीर का टेम्परेचर धीरे-धीरे कम हो सके। धीरे-धीरे गहरी सांस लेने से नर्वस सिस्टम शांत होता है और पैनिक कम होता है। ठंडा पानी या ओआरएस के छोटे-छोटे घूंट लें, इससे ब्रेन को ब्लड फ्लो सपोर्ट मिलता है। चेहरे, गर्दन या कलाई पर ठंडा पानी डालने से कूलिंग रिस्पॉन्स जल्दी शुरू होता है। अगर कपड़े टाइट हों तो ढीले करें और शरीर को रिलैक्स रखें। ये लक्षण लगातार बने रहें, चक्कर या उल्टी आए तो मेडिकल हेल्प जरूर लें।

# एजीआई हम मनुष्यों का 'आखिरी आविष्कार' साबित नहीं होगी

1960 के दशक में गणितज्ञ आईजे गुड ने एक विचार सामने रखा था, जो तब से सिलिकॉन वैली का सूत्रवाक्य बन गया है। उन्होंने कहा था कि यदि हम एक अल्ट्रा-इंटेलिजेंट मशीन बनाएं, तो वह और भी बेहतर मशीनें डिजाइन कर सकेगी। तब एक ऐसी बुद्धिमत्ता का विस्फोट होगा, जो मनुष्य की बुद्धि-क्षमताओं को बहुत पीछे छोड़ देगा। ऐसे में इस तरह की पहली मशीन मनुष्य का 'आखिरी आविष्कार' साबित होगी। यह भविष्यवाणी- जो कभी साइंस-फिक्शन की बात थी- आज दुनिया की शक्तिशाली संस्थाओं का मकसद बन गई है। लेकिन अगर हम यह मान भी लें कि भविष्य की प्रणालियां आज के मॉडलों से कहीं आगे बढ़ते हुए नए समाधान जनरेट कर सकती हैं, फिर भी 'अंतिम-आविष्कार' वाला सिद्धांत सवालों के दायरे में रहेगा। हमें याद रखना चाहिए कि इनोवेशन किसी आइडिया से लेकर उसके इम्पैक्ट तक बिना किसी रुकावट वाली एक शृंखला की तरह है, जिसमें कोई सबसे कमजोर कड़ी भी हो सकती है। ये कमजोर कड़ियां ही मानव-प्रगति का अधिकांश हिस्सा निर्धारित करती हैं। 1986 में, स्पेस शटल चैलेंजर अपने प्रक्षेपण के 73 सेकंड बाद ही धराशायी हो गया था। इसलिए नहीं कि उसके विश्व स्तरीय इंजनों या सॉफ्टवेयर में कोई खराबी आ गई थी, बल्कि इसलिए क्योंकि एक छोटा-सा रबर सील ठंडे वायुमंडलीय तापमान के संपर्क में आने पर फेल हो गया था। उसे ओ-रिंग कहकर पुकारा गया। वह उन महत्वपूर्ण अड़चनों का एक रूपक बन गया है, जो सबसे परिष्कृत प्रणालियों को भी नाकाम बना सकती हैं। कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता (एजीआई) भले ही आरंभिक चरणों ?वाली किसी मेडिकल रिसर्च में नाटकीय रूप से तेजी ला सकती हो, लेकिन अगर वह क्लिनिकल ट्रायल्स को दौड़ के समान नहीं होता है। इसके बजाय खोज की प्रक्रिया रेगुलेटरी अनु?मतियां प्राप्त नहीं कर सकती, तो उसका तथाकथित ब्रेक-थ्रू कभी ऐसा आविष्कार नहीं बन पाएगा, जो हमारे जीवन को बेहतर बनाता है। जब खोज के शुरुआती चरण ऑटोमैटेड हो जाते हैं, तब भी मनुष्य की भूमिका समाप्त नहीं हो जाती; वह बस शेष बाधाओं की ओर स्थानांतरित हो जाती है। और ये वैसी चुनौतियां होती हैं, जिनमें निर्णय, अंतर्निहित ज्ञान और व्यावहारिक कौशल ही सर्वाधिक मायने रखते हैं। एजीआई को न केवल मनुष्यों से बेहतर प्रदर्शन करना होगा; बल्कि उसे एजीआई का उपयोग करके ऐसा करना होगा। अगर 'अंतिम-आविष्कार' वाले सिद्धांत को सच साबित होना है, तो हम मनुष्यों को एआई के साथी या सुपरवाइजर के रूप में भी गैर-जरूरी साबित हो जाना होगा। यह अभी बहुत दूर की कौड़ी है। 2016 में गूगल डीपमाइंड के आगे नहीं बढ़ा सकती, मैन्युफैक्चर नहीं कर सकती या अल्फागो द्वारा शीर्ष पेशेवर खिलाड़ी ली सेडोल को 4-1 से हराने के बाद उसकी श्रेष्ठता तय हो गई लग रही थी। लेकिन 2023 में शोधकर्ताओं ने दिखाया कि शीर्ष इंजनों को उनके प्रशिक्षण से बाहर असामान्य स्थितियों में ले जाया जाए तो मामूली कंप्यूटिंग कौशल वाला एक मनुष्य भी उन्हें हरा सकता है। मनुष्यों द्वारा दिए जाने वाले इनपुट्स आज भी सबसे ज्यादा वैल्यू-एड करने वाले होते हैं। 'अंतिम-आविष्कार' वाला सिद्धांत यह भी मानता है कि तमाम प्रासंगिक सूचनाओं को कोडिफाई किया जा सकता है, लेकिन ऐसा आमतौर पर नहीं होता। जटिल प्रणालियों को चलाने वाली सूचनाएं अकसर बिखरी हुई, स्थानीय और अनकही होती हैं। नॉलेज कोई पोर्टेबल चीज नहीं है। ऐसे में एजीआई को मनुष्यता का अंतिम आविष्कार करार देना एक अतिरंजित दावा है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,कार्ल बेनेडिक्ट फ्रे)

# कर्नाटक में कांग्रेस ने अपनी पुरानी गलतियां नहीं दोहराईं

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस जो नहीं कर पाई थी, कर्नाटक में उसने कर दिखाया। राजस्थान में पार्टी ने अशोक गहलोत और सचिन पायलट को बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया था, लेकिन गहलोत ने इसे नहीं होने दिया। उन्होंने तो पार्टी को ही चुनौती दे दी थी। पार्टी आलाकमान पायलट को राजस्थान कांग्रेस का अध्यक्ष तक नहीं बना पाया है, ताकि वे 2028 के चुनाव में मुख्यमंत्री पद के स्वाभाविक उत्तराधिकारी बन सकें। इसी तरह छत्तीसगढ़ में जब पार्टी ने आधे कार्यकाल के लिए टीएस सिंहदेव को राज्य की कमान सौंपनी चाही तो ज्यादातर विधायकों का समर्थन लेकर बैठे भूपेश बघेल ने भी ऐसे प्रयास को नाकाम कर दिया था। इन दोनों ही राज्यों में कांग्रेस को गुटबाजी का खामियाजा भुगतना पड़ा और 2023 में वो सत्ता गंवा बैठी। इसके उलट, कर्नाटक में सत्ता हस्तांतरण शांति से हुआ। इसका श्रेय सिद्धारमैया को जाता है, जो अपने उपमुख्यमंत्री के लिए सीएम की कुर्सी छोड़ने पर राजी हो गए। किसी राजनेता के लिए ऐसा करना आसान नहीं होता। इस बार आलाकमान भी इसको लेकर स्पष्ट रहा कि वह क्या चाहता है। शीर्ष नेतृत्व में एकजुटता दिखी और अपना निर्णय मनवाने की दृढ़ता भी। दक्षिण में कांग्रेस के बढ़ते दबदबे को देखते हुए कर्नाटक को लेकर उसके दांव आज अधिक ऊंचे हैं। गहलोत और बघेल की तरह सिद्धारमैया के पास भी उनके समर्थक विधायकों का बहुमत था। लेकिन वे बगावत के बजाय हाईकमान के निर्देश का पालन करते नजर आए। भले उन्हें भविष्य में इसका सियासी फायदा मिले या नहीं, लेकिन उन्होंने अपनी साख जरूर बना ली है। वे जानते थे कि डी.के. शिवकुमार केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव बना रहे थे। ऐसे में हालात सिद्धारमैया और डीकेएस के अलावा कांग्रेस के लिए भी उलझन भरे हो सकते थे। एक वक्त तो डीकेएस की भाजपा से भी नजदीकियां बढ़ने की खबरें आई थीं। शायद यह भी हाईकमान पर दबाव बढ़ाने के लिए ही होगा। सिद्धारमैया ने हाईकमान के बदले मूड को भी भांप लिया था। कुरुबा ओबीसी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सिद्धारमैया जनाधार वाले नेता हैं और 'अहिंदा' (पिछड़े, अल्पसंख्यक, दलित) गठबंधन के सूत्रधार माने जाते हैं, जिसने कांग्रेस को मजबूत स्थिति में बनाए रखा। इसी की बदौलत सिद्धारमैया दो बार विपक्ष के नेता बने और दो बार मुख्यमंत्री भी रहे। उनके सियासी कद और ओबीसी पहचान की वजह से ही राहुल गांधी लगातार उनका समर्थन करते रहे हैं। लेकिन अब कल यानी 3 जून को डीकेएस मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे और उनके नाम का प्रस्ताव सिद्धारमैया ने ही रखा। सिद्धारमैया के गद्दी छोड़ने का मतलब यह नहीं निकाला जा सकता कि वे राजनीति भी छोड़ रहे हैं। इसके उलट, उन्होंने संकेत दे दिया है कि वे एक विधायक के तौर पर कर्नाटक में सक्रिय रहेंगे। पार्टी ने उन्हें राज्यसभा सीट की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में जाने से इनकार कर दिया। हालांकि, यह कहना मुश्किल है कि यदि कांग्रेस उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की पेशकश करेगी तो वे उसे भी ठुकरा देंगे या नहीं। खरगे का कार्यकाल जल्द समाप्त होने वाला है और ऐसे में ओबीसी समुदाय से आने वाला कोई अध्यक्ष राहुल की राजनीति को नई गति दे सकता है। मुख्यमंत्री पद छोड़ने से कुछ घंटे पहले ही सिद्धारमैया ने कर्नाटक की जाति जनगणना को मंजूरी दे दी, जिसका आदेश उन्होंने ही 2025 में दिया था। ऐसा करके उन्होंने डीकेएस के सामने एक कठिन सियासी चुनौती छोड़ दी है। यदि डीकेएस इसे स्वीकार करते हैं, तो उनका अपना वोक्कालिगा समुदाय नाराज हो सकता है। यदि इसे ठंडे बस्ते में डालते हैं तो ओबीसी समुदाय नाराज होकर फिर सिद्धारमैया के पक्ष में लामबंद हो सकता है। कर्नाटक का उदाहरण बताता है कि कांग्रेस में निर्णय करने की बात आए तो राहुल और प्रियंका अब अधिक तालमेल के साथ काम कर रहे हैं। इससे दक्षिण भारत में कांग्रेस ने खुद को और मजबूती ही प्रदान की है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,नीरजा चौधरी)

# हमारी शिक्षा की व्यवस्था में इतनी 'परीक्षाएं' क्यों हैं?

पहले नीट की परीक्षा रद्द हुई, फिर सीबीएसई के नतीजों और पुनर्मूल्यांकन की दिक्कतों ने छात्रों को रुला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने नीट के मामले में एनटीए को सख्त फटकार लगाई है। लेकिन हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था में जो बुनियादी खोट है, क्या उसकी ओर किसी का ध्यान है? कम से कम तीन प्रवृत्तियां ऐसी हैं, जो इस शिक्षा-प्रणाली को संकट में डालती हैं। पहली बात तो यह कि हमने परीक्षाओं को ही शिक्षा का पर्याय बना डाला है। शिक्षा बस परीक्षा देने के लिए रह गई है। जबकि शिक्षा के अनेक भ्रष्टाचार परीक्षा से ही शुरू होते हैं- कई विषमताएं भी। अच्छे और खराब स्कूल का फर्क, ट्यूशन, कोचिंग, पेपर लीक, नंबर बढ़वाने की कोशिश- यह सब न हो, अगर इम्तिहान न हों। लेकिन सवाल है, अगर परीक्षा न हो तो शिक्षा के मूल्यांकन का तरीका क्या हो। बच्चे पढ़ें क्यों और शिक्षक पढ़ाएं क्यों? दरअसल इसी सवाल से समझ आता है कि शिक्षा के उद्देश्य को हमने कितना सीमित कर डाला है- वह बस नंबर लाने का जरिया रह गई है। जबकि शिक्षा अपने-आप में एक स्वायत्त चीज होनी चाहिए- उसे बच्चों या छात्रों में सूचना, संवेदना और सरोकार के बीज रोपने चाहिए- इसी से वे ज्ञान और विशेषज्ञता की ओर भी बढ़ सकते हैं। शिक्षक जिम्मेदारी ले सकता है कि वह सुनिश्चित करे बच्चों ने कक्षा की पढ़ाई पूरी कर ली है और वे अगली क्लास की पढ़ाई कर सकते हैं। ऐसे में न कोई फर्स्ट आएगा न फेल होगा। फिलहाल शिक्षक महज एक एजेंट की भूमिका निभाता है, जो पहले से तय एक पाठ्यपुस्तक की जानकारी बच्चों के बीच इस तरह पहुंचा देता है कि वे उन्हें नंबरों में बदल सकें। लेकिन परीक्षा पर हमारी पूरी निर्भरता इतनी ज्यादा है कि हम इस दिशा में सोचने को भी तैयार नहीं हैं। शिक्षा का दूसरा संकट उसके अत्यधिक केंद्रीकरण की कोशिश है। कुछ अरसा पहले तक अलग-अलग राज्यों के बोर्ड ही अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के मुख्य जिम्मेदार होते थे, लेकिन धीरे-धीरे वे लगभग के काम आ रहे हैं। जबकि नीचे से ऊपर तक एक राष्ट्र एक शिक्षा की भ्रामक अवधारणा इस तरह फैली है कि लगता है कि इससे शिक्षा में समानता आएगी। पहले भी बच्चे कॉलेजों में दाखिला लेते थे, लेकिन अब उन्हें सीयूईटी जैसे इम्तिहान से गुजरना है और इसके लिए भी कोचिंग नाम का कारोबार शुरू हो गया है। पहले भी लोग मेडिकल की पढ़ाई करते थे और बिना किसी प्रतियोगिता के बेहतरीन डॉक्टर साबित होते थे, लेकिन अतिशय केंद्रीकरण की कोशिश ने इस पूरे दाखिले की प्रक्रिया को बेहद संदिग्ध बना डाला है।

तीसरा संकट शिक्षा और परीक्षा के आधे-अधूरे तकनीकीकरण का है। कोविड के दौर में ही हमने पाया कि ऑनलाइन कक्षाओं में 'डिजिटल डिवाइड' ने कितनी बड़ी असमानता पैदा की है। अब सीबीएसई के इम्तिहानों में ओएसएम- यानी ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का कहर बच्चे झेल रहे हैं। अप्रासंगिक हो चले हैं और बस साधनहीन, हाशिए पर पड़े बच्चों के सरकारी स्कूलों नायक नहीं बचे हैं कि हम उन पर सही मूल्यांकन का भरोसा भी कर सकें? असली बात यही है। शिक्षा की जो सबसे जरूरी कड़ी है, उस शिक्षक को हमने लगभग अदृश्य और बेमानी बना डाला है। गिग वर्करों की तरह शिक्षा मित्रों से काम चलाया जा रहा है। जिस समय भारत में स्कूली व्यवस्था इतनी चाक-चौबस्त नहीं थी, यही शिक्षक या गुरु थे, जिन्होंने कई होनहार पीढ़ियां निकालीं- उनके हाथ से हमारे डॉक्टर, इंजीनियर, लेखक, कलाकार, वैज्ञानिक सब निकले। लेकिन अब जब हमने बहुत सारे इंतजाम कर लिए हैं तब शिक्षक को ही किनारे कर दिया है।

अगर हम बुनियादी सवालों की ही उपेक्षा करते रहे तो न तो शिक्षा के नाम पर होने वाले घोटाले खत्म होंगे न ही हमारी शिक्षा व्यवस्था बेहतर मनुष्य या पेशेवर गढ़ने का जरिया बन पाएगी। मगर इस दिशा में सोचे कौन? (ये लेखक के अपने विचार हैं,प्रियदर्शन)

# टूरिज्म डॉलर भी दे सकता है और जॉब्स भी

विदेशी मुद्रा पाने और नौकरियां क्रिएट करने के सबसे तेज तरीकों में पर्यटन भी है, जबकि उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता। एक ऐसे समय में, जब वैश्विक अनिश्चितता, ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक झटके चालू खाते पर दबाव डाल रहे हैं, टूरिज्म हमारी अर्थव्यवस्था के लिए स्टैबलाइजर का काम कर सकता है। विदेशी पर्यटक सीधे हमारी अर्थव्यवस्था में डॉलर लेकर आते हैं। वे हॉस्पिटैलिटी, परिवहन, पर्यटन स्थलों, स्मृति-चिह्नों, सांस्कृतिक अनुभवों और स्थानीय व्यंजनों पर पैसा खर्च करते हैं। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र अपने आप में रोजगार सृजन का एक शक्तिशाली स्रोत है। पर्यटन में जुड़ा हर प्रत्यक्ष रोजगार 13 अप्रत्यक्ष रोजगारों को भी जन्म देता है। वेटर, शेफ, ड्राइवर, गाइड, शिल्पकार, होमस्टे संचालक, डिजिटल मार्केटर और हजारों-छोटे स्थानीय उद्यम इसके कुछ उदाहरण मात्र हैं। जहां मैन्युफैक्चरिंग-आधारित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश- जिसे दीर्घकालिक समाधान के रूप में प्राथमिकता दी जाती है- साकार होने में वर्षों लेता है और सार्थक स्तर पर विदेशी मुद्रा उत्पन्न करने में उससे भी अधिक समय लगाता है, वहीं पर्यटन किसी पर्यटक के निर्णयों को कुछ ही महीनों में डॉलरों में परिवर्तित कर देता है। भारत की एविएशन कंपनियों ने 2000 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया है, जिनकी आपूर्ति आने वाले वर्षों में तेजी से बढ़ेगी। ऊपरी तौर पर तो यह एविएशन क्षेत्र की महत्वाकांक्षा की कहानी प्रतीत होती है, किंतु यदि इसके साथ ही इन विमानों को विदेशी पर्यटकों से भरने के प्रयास नहीं किए गए, तो उलटा परिणाम भी मिल सकता है : भारतीयों के लिए विदेश यात्रा अधिक आसान और सस्ती हो जाएगी, जिससे कहीं अधिक मात्रा में बहुमूल्य विदेशी मुद्रा देश से बाहर जाएगी। पिछले चार वर्षों में भारत के विदेशी पर्यटन मार्केटिंग बजट को लगभग शून्य तक घटा दिया गया है। परिणाम भी अपेक्षित हैं। वर्ष 2024 में भारत में 99 लाख अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए- जो महामारी-पूर्व के सर्वोच्च स्तर से लगभग 10फीसदी कम हैं। जहां भारत के सभी प्रमुख प्रतिस्पर्धी देश 2019 के स्तर को पार कर चुके हैं, हम अब भी उस स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। इसलिए हमारे विदेशी पर्यटन मार्केटिंग बजट में की गई तीव्र कटौती आश्चर्यजनक है। एक विदेशी पर्यटक अपनी प्रत्येक यात्रा पर भारत के जीडीपी में 3,000 डॉलर का योगदान देता है, जबकि एक घरेलू पर्यटक का योगदान केवल 75 डॉलर होता है- यानी 40 गुना का अंतर। मार्केटिंग पर 20 करोड़ डॉलर का निवेश 10 लाख अतिरिक्त विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे 3.6 अरब डॉलर का आर्थिक मूल्य सृजित होगा, 40 करोड़ डॉलर की जीएसटी प्राप्ति होगी और 2.83 लाख नए रोजगार उत्पन्न होंगे। यानी मार्केटिंग पर खर्च किए गए प्रत्येक डॉलर पर 18 गुना रिटर्न प्राप्त होगा। केवल 55,000 अतिरिक्त पर्यटक- जो भारत के वर्तमान टूरिस्ट-बेस का मात्र 0.5फीसदी हैं- पूरे मार्केटिंग खर्च की भरपाई कर देंगे। ये कोई अनुमान नहीं हैं। ये वही परिणाम हैं, जिन्हें इन्क्रेडिबल इंडिया अभियान ने प्रत्यक्ष रूप से सिद्ध करके दिखाया था। वैश्विक पर्यटन में डिजिटल टेक्नोलॉजी बड़े बदलाव ला रही हैं। और यही वह क्षेत्र है, जिसमें भारत की अनुपस्थिति हमारे लिए महंगी साबित हो रही है। आज पर्यटन से संबंधित कुल बिक्री का 78फीसदी ऑनलाइन होता है, 70फीसदी बुकिंग मोबाइल उपकरणों पर पूरी की जाती हैं और 45फीसदी लेन-देन ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से होता है। प्रतिस्पर्धा का मैदान अब यूट्यूब प्री-रोल्स, सोशल मीडिया एल्गोरिदम, प्रोग्रामेटिक डिस्प्ले और इन्फ्लुएंसर नेटवर्कों पर स्थानांतरित हो चुका है। ये ऐसे चैनल्स हैं, जहां व्यय को मापा जा सकता है, टारगेटिंग सटीक होती है और रिटर्न ऑन इनवेस्टमेंट का लगभग रियल-टाइम में आंकलन किया जा सकता है। भारत के पास बुनियादी ढांचा तो है, किंतु वह उसका लाभ उठाने में विफल रहा है। इन्क्रेडिबल इंडिया के फेसबुक पर 19 लाख और इंस्टाग्राम पर 7.85 लाख ही फॉलोअर्स हैं। इतने ही फॉलोअर्स वाले सऊदी अरब ने जहां एक ही महीने में 2.7 करोड़ कंटेंट व्यू अर्जित किए, वहीं भारत केवल 3.88 लाख व्यू तक सीमित रहा। मंच मौजूद है, किंतु भारत लगभग एक दशक से वैश्विक मार्केटिंग परिदृश्य से पूरी तरह अनुपस्थित है। इसकी भारी कीमत हमारे पर्यटन क्षेत्र को चुकानी पड़ रही है। केवल मार्केटिंग भी काफी नहीं होगी। हमें मिशन मोड में पर्यटन क्षेत्र को डी-रेगुलेट भी करना होगा। होटल, रेस्तरां, होमस्टे, परिवहन संचालक और पर्यटन सेवा प्रदाता अनेक लाइसेंसों, प्रक्रियाओं और निरीक्षणों के बोझ तले काम करते हैं। जो परियोजनाएं दूसरे एशियाई देशों में 18 महीनों में पूरी हो जाती हैं, उन्हें भारत में कहीं अधिक समय लगता है। एकीकृत लाइसेंस व्यवस्था, डिजिटलीकरण और स्वचालित नवीनीकरण को लागू किया जाना चाहिए। हमारे प्रत्येक राज्य को पर्यटन का अग्रदूत बनना होगा। प्रत्येक राज्य को 15 प्रमुख पर्यटन स्थलों की पहचान कर उन्हें ऐसे समग्र पर्यटन इको-सिस्टम में विकसित करना चाहिए, जिनमें पहुंच, आवास, अनुभव, आयोजन, सुरक्षा, स्वच्छता, स्थानीय उद्यम और मार्केटिंग- सभी का समावेश हो। कोई डेस्टिनेशन केवल इसलिए तैयार नहीं माना जा सकता कि वहां सड़कें, होटल या संकेतक उपलब्ध हैं। वह तभी नजरों में आता है, जब कोई यात्री उसकी विशिष्टता को खोज सके, उसकी विश्वसनीयता का आकलन कर सके, बुक किए जा सकने वाले अनुभवों की पहचान कर सके, आसानी से लेन-देन कर सके और इस बात पर भरोसा कर सके कि उसे अपेक्षानुरूप अनुभव प्राप्त होगा। पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता अब इस पर भी निर्भर करेगी कि कोई डेस्टिनेशन कंटेंट-क्रिएटर्स के अनुकूल है या नहीं, उसे आसानी से ऑनलाइन खोजा जा सकता है या नहीं, वह लेन-देन के लिए तैयार है या नहीं और उस पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं। हमें कंटेंट-क्रिएशन अर्थव्यवस्था को भी पर्यटन की एक रणनीति के रूप में अपनाना होगा। सरकारी अभियान जागरूकता उत्पन्न कर सकते हैं, किंतु विश्वास का निर्माण कंटेंट-क्रिएटर्स करते हैं। एक उत्कृष्ट वीडियो वह प्रभाव उत्पन्न कर सकता है, जो कोई ब्रोशर नहीं कर सकता। 2.83 लाख नए रोजगार... एक विदेशी पर्यटक अपनी प्रत्येक यात्रा पर जीडीपी में 3,000 डॉलर का योगदान देता है। मार्केटिंग पर 20 करोड़ डॉलर का निवेश 10 लाख अतिरिक्त विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे 3.6 अरब डॉलर का मूल्य सृजित होगा, 40 करोड़ डॉलर की जीएसटी प्राप्ति होगी और 2.83 लाख नए रोजगार उत्पन्न होंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

# क्या टीएमसी बिखरने वाली है, 4 संकेत- बंगाल में एकबार सत्ता जाने के बाद पार्टियां कभी वापस नहीं आई सिर्फ कांग्रेस एक अपवाद है

कोलकाता। बंगाल में आजादी के बाद से ही एक ट्रेंड है। जो पार्टी सत्ता से एकबार बेदखल हुई, वो कभी लौट नहीं सकी। सिर्फ कांग्रेस एक अपवाद है। 2026 का बंगाल चुनाव हारने के बाद टीएमसी भी सबसे



मुश्किल दौर में है। ममता की टीएमसी पर कितना बड़ा संकट है? 1. टीएमसी के सांसद, नेता और सभासदों तक के इस्तीफे- 27 मई को बंगाल के बारासात से टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। वो टीएमसी के मना करने के बावजूद सीएम शुभेंदु अधिकारी की एक बैठक में शामिल हुई थीं। इसमें नदिया, उत्तर 24 परगना और हुगली जिलों के 6 टीएमसी विधायक भी शामिल थे। काकोली, 1998 में टीएमसी के बनने के समय से ममता के साथ थीं। इससे पहले टीएमसी ने उन्हें लोकसभा में मुख्य सचेतक के पद से हटाकर कल्याण बनर्जी को



नियुक्त किया था। तब काकोली ने एक्स पर लिखा, 'आज मुझे चार दशकों की वफादारी का इनाम मिला है।' काकोली के अलावा टीएमसी के पूर्व राज्यसभा सांसद शांतनु सेन, प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती, पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने मनोज तिवारी, फिल्म निर्माता और पूर्व विधायक राज चक्रवर्ती, टीएमसी की असम यूनिट के पूर्व चीफ अभिजीत मजूमदार ने भी पार्टी छोड़ दी है। इसके अलावा राज्य की कई नगरपालिकाओं के लगभग 100 टीएमसी पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने भी इस्तीफा देने की बात कही है। 2. दावा- भाजपा के संपर्क में टीएमसी के 75फीसद सांसद-विधायक- भाजपा नेता सौमित्र खान ने दावा किया है कि टीएमसी के कुल 28 में से 20 सांसद भाजपा के संपर्क में हैं। अगर भाजपा नेतृत्व चाहे तो अगले कुछ दिनों में टीएमसी पूरी तरह खत्म हो सकती है। टीएमसी से निकाले गए नेता रिजू दत्ता ने दावा किया कि 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं। रिजू ने दावा किया है कि आज ये सभी विधायक विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे असली टीएमसी का दावा करेंगे। 1 जून को टीएमसी से निकाले गए 2 विधायकों संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने कोलकाता में कई टीएमसी विधायकों के साथ मीटिंग की। इसमें ममता के कई करीबी विधायक भी शामिल हुए थे। 1 जून को ममता बनर्जी ने फेसबुक पर वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस टीएमसी विधायकों और सांसदों को भाजपा में शामिल होने का दबाव बना रही है। नेताओं को डराकर या रिश्वत देकर टीएमसी को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। 3. 80 में सिर्फ 20 विधायक ही ममता की मीटिंग में पहुंचे- 30 मई को ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के साथ मारपीट हुई। उन पर चप्पल और अंडे फेंके गए। अभिषेक ने हत्या की कोशिश का आरोप लगाया। अगले दिन ममता ने टीएमसी विधायकों की बैठक बुलाई, इसमें सिर्फ 20 विधायक आए। 60 विधायक नहीं पहुंचे, तो बैठक टाल दी गई। टीएमसी प्रवक्ता कुनाल घोष ने कहा कि बैठक पहले से तय थी, लेकिन अभिषेक पर हुए हमले के चलते विधायक इसके विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रमों में व्यस्त हो गए। 4. टीएमसी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले- अभिषेक पर हमले के बाद 31 मई को हुगली जिले में टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी पर भी हमला हुआ। भीड़ ने उन पर पत्थर फेंके। कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि चुनाव नतीजों के बाद टीएमसी के 15-20 कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई है और पुलिस-प्रशासन बीजेपी के पक्ष में काम कर रहा है। इसके अलावा चुनाव नतीजों के बाद से आसनसोल, कूचबिहार, बिरभूम, बारुईपुर के कई इलाकों में टीएमसी कार्यकर्ताओं और उनके घरों पर हमले की घटनाएं हुईं। सवाल-2ः पार्टी को बचाने के लिए ममता बनर्जी क्या कर रहीं? जवाबः ममता बनर्जी दो तरह की स्ट्रैटेजी पर काम कर रही हैं, पहली- मजबूत और जुझारू दिखो, दूसरी- पॉलिटिकली रिलेवेंट बने रहो। चुनाव में हार के बाद पहली बार किसी सीएम ने इस्तीफा देने से मना कर दिया। जानकार बताते हैं कि ममता ने 'मैं नहीं झुकूंगी' वाला संदेश देने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए ऐसा किया। चुनाव बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं के साथ हो रही हिंसा और 30 मई को अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले को भी ममता ने आक्रामक तरीके से उठाया। टीएमसी इन घटनाओं के विरोध में पूरे राज्य में पॉलिटिकल कैंपेन खड़ा करने की कोशिश कर रही है। ममता ने 2 जून को कोलकाता के धर्मतला बस स्टैंड के पास प्रोटेस्ट किया। ममता ने एक मेगाफोन से भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, 'हमें मंच बनाने या माइक्रोफोन इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी गई। लेकिन मैं लड़ूंगी या मर जाऊंगी।' ममता ने कहा, 'बंगाल में पुलिस वाले टीएमसी नेताओं को धमका रहे हैं। इस मुश्किल समय में मैं उन्हें अकेला नहीं छोडूंगी।' ममता कई मुद्दों पर इंडिया ब्लॉक से अलग लीक पर चलती दिखती थीं। हालांकि चुनाव हारने के बाद उनका नया रुख दिखा। वह नेशनल लेवल पर विपक्ष की राजनीति में टीएमसी की हिस्सेदारी और प्रभाव को कमजोर नहीं होने देना चाहतीं। चुनाव हारते ही 5 मई को ममता ने कहा, 'मेरा टारगेट बहुत क्लियर है। मैं इंडिया टीम को मजबूत करूंगी- सोनिया जी, राहुल, अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेनष्ठसभी ने मुझे फोन किया। सभी इंडिया गठबंधन के सहयोगी मेरे साथ हैं। आने वाले दिनों में हमारी एकजुटता और मजबूत होगी।' सवाल-3ः ममता की कोशिशों के बावजूद क्या वाकई टीएमसी बिखर सकती है? जवाबः पश्चिम बंगाल को करीब से समझने वाले एक्सपट्र्स के बीच राय बंटी हुई है। पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक प्रभाकर मणि तिवारी का मानना है कि टीएमसी बिखर जाएगी। वो कहते हैं, 'ममता 2011 में सत्ता में आईं, तो धीरे-धीरे उन्होंने भी सीपीएम को खत्म कर दिया था। बीजेपी भी बंगाल में विपक्ष को खत्म करना चाहती है। बीजेपी की कोशिश रहेगी कि टीएमसी के आधे से ज्यादा विधायक अलग हो जाएं, जिससे उपचुनाव भी न कराना पड़े। हालांकि अगले 2-3 महीने तक टीएमसी में किसी बड़ी टूट की आशंका नहीं है।' वहीं, वरिष्ठ पत्रकार शिखा मुखर्जी मानती हैं कि टीएमसी में कोई बड़ा विभाजन होता नहीं दिख रहा। वो कहती हैं, 'इसका कोई साफ संकेत नहीं है कि बीजेपी टीएमसी नेताओं को बीजेपी में शामिल होने के लिए उकसा रही है।' बंगाल बीजेपी के बड़े नेताओं के बयानों से भी लगता है कि बीजेपी बागियों को खुला न्योता नहीं देना चाहती-1 जून को पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने कहा, 'बंगाल में भाजपा की पॉलिसी है कि हम टीएमसी के किसी भी व्यक्ति को पार्टी में शामिल नहीं करेंगे। बंगाल बीजेपी के सीनियर नेता और राज्यसभा सांसद राहुल सिन्हा ने भी ऐसा ही बयान दिया। बीजेपी नेता शमिक भट्टाचार्या ने भी कहा, 'हम ऐसे किसी नेता को शामिल करेंगे, जिस पर किसी तरह का धब्बा या भ्रष्टाचार से जुड़ा कोई आरोप न हो।' हालांकि जीत के बाद 5 मई को सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता का राजनीतिक निर्वासन शुरू हो गया है। बंगाल में टीएमसी के कई सांसद और कार्यकर्ता उनके साथ जुड़ेंगे। शिखा मुखर्जी कहती हैं कि बीजेपी फिर भी टीएमसी को कमजोर करने के लिए कुछ विधायकों को अपने पाले में जरूर ले सकती है। सवाल-4ः क्या बंगाल की सत्ता में टीएमसी वापसी कर पाएगी? जवाबः 1977 तक बंगाल में कांग्रेस 25 साल शासन में रही। हालांकि, बीच में 1967 से 1972 तक यूनाइटेड फ्रंट भी सत्ता में आई। फिर 34 साल लेफ्ट फ्रंट की सरकार चली। 2011 में सीएम बनीं ममता 2026 तक काबिज रहीं। यानी बंगाल में जो आता है, सालों तक छा जाता है। अब बीजेपी सत्ता में है। 4 वजहों से टीएमसी की भी सत्ता में वापसी मुश्किल लगती है- 1. कैडर बेस नई पार्टी में शिफ्ट हो जाता है- बंगाल का सोशल स्ट्रक्चर दो हिस्सों में बंटा है। पहला- भद्रलोक यानी जमींदार और शिक्षित मध्यवर्ग। दूसरा- सर्वहारा यानी भूमिहीन किसान और मजदूर।कांग्रेस ने भद्रलोक के जरिए पकड़ बनाई। जबकि लेफ्ट फ्रंट ने बहुसंख्यक मजदूरों, किसानों और गरीबों को लामबंद किया। लेफ्ट की सरकार के दौरान बंगाल में 'कैडर राज' शुरू हुआ। हर गांव, मोहल्ले, बूथ पर पार्टी पहुंची। गांव-शहरों में मौजूद पार्टी के ये दफ्तर सरकार से ज्यादा ताकतवर बन गए। 2011 में आई ममता की टीएमसी ने लेफ्ट की इसी मशीनरी को हथिया लिया और लेफ्ट के 1000 से ज्यादा दफ्तरों पर कब्जा कर लिया। अब ये कैडर बेस बीजेपी की तरफ शिफ्ट हो सकता है। 2. दिल्ली बनाम बंगाल का नैरेटिव खत्म- बंगाल के लोग मानते हैं कि दिल्ली हमें समझती नहीं। लेफ्ट ने इसी भावना को अपना राजनीतिक हथियार बनाया था। 1980 सीएम ज्योति बसु ने दिल्ली पर बंगाल के साथ भेदभाव करने का नैरेटिव मजबूत किया और 34 सालों तक इसका प्रचार किया। ममता ने इस नैरेटिव को आगे ले जाकर इसे 'बंगाली बनाम बाहरी' में बदला और यह काम भी आया। लेकिन बीजेपी ने अब इस नैरेटिव को पाट दिया है। 3. ममता की जगह सुवेंदु का 'पर्सनैलिटी कल्ट'- पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा एक चेहरे के इर्द-गिर्द घूमती है। डॉ. बिधानचंद्र रॉय महात्मा गांधी और नेहरू के पर्सनल डॉक्टर रहे। बिधाननगर, कल्याणी, दुर्गापुर जैसे शहर, घ्छ्ऊ खड़गपुर उनकी विरासत हैं। उनके चेहरे पर कांग्रेस ने 14 साल राज किया। ज्योति बसु 23 साल से ज्यादा सीएम रहे। 1996 में मिला इ्श पद का ऑफर ठुकराया। लेफ्ट ने लगातार पांच चुनाव उन्हीं के चेहरे पर जीते।ममता बनर्जी यानी हवाई चप्पल, सूती साड़ी पहनने वाली आम आदमी से जुड़ी नेता। लोगों ने टीएमसी नहीं, 'दीदी' को वोट दिया और 3 बार लगातार सरकार बनाई। सीनियर जर्नलिस्ट सुमन भट्टाचार्य कहते हैं, 'बंगाल के लोग वफादार होते हैं। एक बार पसंद कर लिया तो लंबे समय तक जिताते हैं।' हालांकि अगले विधानसभा चुनाव तक ममता बनर्जी 76 साल की हो जाएंगी। तब तक उनका 'पर्सनैलिटी कल्ट' बेअसर हो सकता है। 4. वोटबैंक की सटीक चुनावी इंजीनियरिंग-लेफ्ट ने बहुसंख्यक वर्ग को साधा और उनके लिए कई योजनाएं चलाईं। 1978 में 15 लाख बटाईदारों को 11 लाख एकड़ जमीन बांटी, जिनमें दलित, आदिवासी और मुस्लिम शामिल थे। ममता ने इससे आगे जाकर दो नए वोटबैंक बनाए- महिलाएं और मुस्लिम। कन्याश्री, रूपश्री, लक्ष्मीर भंडार, स्वास्थ्य साथी जैसी योजनाओं से महिला वोट बैंक पक्का किया। राज्य की 27फीसदी मुस्लिम आबादी के लिए 10 हजार मदरसों को मान्यता दी। टीएमसी की सरकार में 39 महिला और 43 मुस्लिम विधायक थे। सुमन भट्टाचार्य कहते हैं कि बीजेपी ध्रुवीकरण और चुनावी इंजीनियरिंग में सफल हो गई है। बंगाल का ट्रेंड है कि अब बीजेपी अगले 15-20 साल तक जीतती रह सकती है।'

# काशी में 200 साल पुरानी मस्जिद 22 मिनट में ध्वस्त

## आधी रात 1000 जवान तैनात, 5 बुलडोजर चले, पूरा मलबा रातों-रात हटवाया

वाराणसी। आधी रात प्रशासन ने 200 साल पुरानी अजगैब शहीद मस्जिद को ढहा में कार्रवाई की गई। भदऊ चुंगी स्थित किला कोहना इलाके में अजगैब शहीद की मस्जिद और



दिया। महज 22 मिनट में 5 बुलडोजरों ने 42 फीट ऊंची मस्जिद को तोड़ दिया। पूरा मलबा भी रातों-रात ट्रकों में भरकर हटा दिया गया। मंगलवार रात 12 बजे प्रशासन 1000 से अधिक पुलिस जवानों के साथ मौके पर पहुंचा। डीसीपी काशी गौरव बंसवाल और एडीसीपी वैभव बांगर ने मस्जिद के चारों ओर बैरिकेडिंग करवाई। लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई। इसके बाद बुलडोजर एक्शन शुरू हुआ। प्रशासन का कहना है कि मस्जिद रेलवे की जमीन पर बनी थी। मामला कोर्ट गया था, वहां से फैसला रेलवे के पक्ष में आ चुका है। यहां काशी रेलवे स्टेशन को मॉडल बनाया जा रहा है। इसलिए उसका विस्तार किया जा रहा, इसी वजह से यह कार्रवाई की गई। पुलिस कर्मियों ने बताया कि ट्रैफिक से बचने के लिए रात कब्रिस्तान स्थित है। मुस्लिम पक्ष का दावा है कि मस्जिद 200 साल पुरानी थी। मस्जिद के मुतवल्ली शमीम उस्ताद थे, जिनका दो महीने पहले निधन हो चुका है। प्रशासन का कहना है कि यह रेलवे की पुरानी जमीन है, जिस पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा करके पहले मजार बनाई। बाद में मस्जिद और कब्रिस्तान का निर्माण किया गया। साल 2024 में काशी मॉडल रेलवे स्टेशन का प्रोजेक्ट आया। इसके बाद जमीन की पैमाइश कराई गई, जिसमें अवैध कब्जे का पता चला। रेलवे ने मस्जिद के मुतवल्ली से जमीन खाली करने के लिए कहा। हालांकि, वह कोर्ट पहुंच गए। हाल ही में मुतवल्ली केस हार गए। इसके बाद रेलवे ने जमीन खाली करने के लिए 3 बार नोटिस जारी किया, लेकिन जमीन खाली नहीं की गई। इसके बाद कार्रवाई की गई।

# कुवैत एयरपोर्ट पर ईरानी हमले में भारतीय की मौत,कई की हालत गंभीर, अमेरिकी ठिकानों पर भी ड्रोन अटैक

तेहरान। कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ईरानी ड्रोन हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत खिलाफ ट्रम्प की गाली-गलौज वाली खबर सबसे पहले एक्सियोस ने सोमवार को पब्लिश



हो गई, जबकि 63 लोग घायल हैं। इनमें कई लोगों की हालत गंभीर है। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना पर शोक जताया है। कुवैत के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, कई लोगों को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद 25 एम्बुलेंस मौके पर भेजी गईं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हमले से एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 को भारी नुकसान पहुंचा। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर कुछ समय के लिए एयरपोर्ट ट्रैफिक रोक दिया गया। इससे पहले अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (ण्ऊिण्ध्श) ने बताया था कि ईरान ने कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर फिर ड्रोन हमले किए। हालांकि, सारे हमले नाकाम हो गए। ट्रम्प ने माना- नेतन्याहू को फोन पर गाली दी थी-अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने माना है कि उन्होंने सोमवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर बातचीत के दौरान उन्हें 'ङङङ पागल' कहा था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह नेतन्याहू की इज्जत करते हैं और उनके साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं। एक पॉडकास्ट में ट्रम्प ने कहा- 'इजराइल के लेबनान पर हमले को लेकर मैं परेशान था। मुझे बीबी (नेतन्याहू) बहुत पसंद हैं और मैं उनके साथ बहुत अच्छे से काम करता हूं।' नेतन्याहू के की थी। बाद में इजराइली अधिकारियों ने इस रिपोर्ट का खंडन किया था। पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स- ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किएः ईरान ने लाइबेरिया के झंडे वाले एक जहाज पर मिसाइलें दागने का दावा किया। इसके अलावा कुवैत और बहरीन की ओर मिसाइल और ड्रोन दागे। ईरान का कहना है कि उसने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी एयरबेस, हेलीकॉप्टर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को निशाना बनाया। अमेरीका ने ईरानी ऑयर टैंकरों पर हमले किएः अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप के एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहे बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर हेलफायर मिसाइल से हमला किया। इससे पहले अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास केश्म द्वीप पर स्थित एक ईरानी सैन्य नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया। ट्रम्प ने लेबनान पर नेतन्याहू को फटकार लगाईः ट्रम्प ने लेबनान में इजराइली हमलों पर नेतन्याहू को फोन पर फटकार लगाई। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा- 'अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते।'लेबनान में इजराइली हमले तेजः लेबनान में इजराइली हमले जारी हैं। नबातियेह समेत कई इलाकों पर एयरस्ट्राइक हुईं, जबकि हिजबुल्लाह ने भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए।

# ममता की टीएमसी टूटी, 60 विधायकों ने अलग गुट बना लिया

## ऋतब्रत बनर्जी का दावा- उन्हें विधायक दल का नेता चुना, स्पीकर ने मंजूरी दी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में बड़ी टूट सामने आई है। पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में 60 विधायकों ने अलग अयोग्यता से छूट मिल सकती है। इसके बाद चुनाव आयोग यह जांच करता है कि पार्टी पर असली नियंत्रण किसका होगा। इसके लिए 4 पॉइंट तय है-पार्टी संगठन किसके साथ



गुट बना लिया है। ऋतब्रत ने बुधवार को दावा किया कि इन विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस को समर्थन पत्र सौंपकर उन्हें विधायक दल का नेता घोषित करने की मांग की, जिसे स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता जबकि अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि बागी गुट ने अपने पत्र में ममता बनर्जी को अब भी पार्टी अध्यक्ष बताया है। लेकिन अभिषेक बनर्जी का नेतृत्व और विधायक दल से जुड़े फैसलों को मानने से इनकार किया है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब नेता विपक्ष के चयन से जुड़े प्रस्ताव पर फर्जी हस्ताक्षर का आरोप लगने के बाद ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। ममता ने पार्टी कमेटियां भंग कीं-पार्टी के भीतर बगावत के बीच ममता बनर्जी ने बुधवार को राज्य की सभी कमेटियों और फ्रंटल संगठनों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। पार्टी अब पूरे संगठन का पुनर्गठन करेगी। फर्जी साइन की शिकायत करने पर निकाले गए थे 2 विधायक-ममता बनर्जी ने टीएमसी से 2 विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी से निकाल दिया था। दोनों ने स्पीकर से शिकायत की थी कि पार्टी ने शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने वाले प्रस्ताव में उनके उनके फर्जी साइन किए थे। साहा और बनर्जी का आरोप है कि यह शिकायत करने पर ही दोनों टीएमसी से निकाले गए। अभी टीएमसी पर काबिज नहीं हो पाएंगे बागी विधायक टीएमसी के बागी विधायक नेता विपक्ष, चीफ व्हिप जैसे पद तो ले सकते हैं, लेकिन शिवसेना और एनसीपी की तरह पार्टी पर अधिकार अभी नहीं ले पाएंगे। अगर ऐसा होता है तो बड़े गुट के दावे पर चुनाव आयोग फैसला लेगा। मामला कोर्ट भी जा सकता है। हालांकि इसके लिए दो-तिहाई यानी 28 में से 19 लोकसभा सांसदों की भी जरूरत भी होगी। इसके अलावा संगठन के पदाधिकारियों का भी रुख महत्वपूर्ण होता है, इससे बचने के लिए ममता ने पहले ही सभी कमेटियां भंग कर दी हैं।

यह मामला मुख्य रूप से दसवीं अनुसूची में दिए दलबदल कानून, पार्टी संगठन के संविधान और निर्वाचन आयोग के नियमों से तय होता है। 91वें संविधान संशोधन (2003) के बाद कम से कम दो-तिहाई विधायक मूल पार्टी से अलग होने का निर्णय लेते हैं, तो उन्हें है? राष्ट्रीय/राज्य कार्यकारिणी किसके साथ है? पार्टी संविधान क्या कहता है? चुने हुए प्रतिनिधियों का समर्थन किसे है? महाराष्ट्र में पिछले 5 सालों में दो बड़ी पार्टियां टूट चुकी हैं-महाराष्ट्र में पिछले पांच सालों में दो बड़ी क्षेत्रीय पार्टियां टूट चुकी हैं। 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना का बड़ा गुट अलग हो गया, जबकि 2023 में अजित पवार के साथ एनसीपी का एक बड़ा धड़ा अलग हो गया। दोनों मामलों में अलग हुए गुटों ने पार्टी और चुनाव चिह्न पर भी दावा किया, जिससे इसे महाराष्ट्र की नई दल-बदल राजनीति का उदाहरण माना जाता है। पिछले 12 दिन में हुए घटनाक्रम, जिनसे टीएमसी में टूट के रास्ते बने-31 मई- ममता की बैठक में 80 में 60 विधायक नहीं पहुंचेः ममता ने टीएमसी विधायकों की बैठक बुलाई थी, लेकिन 80 में से सिर्फ 20 विधायक ही पहुंचे। 60 विधायकों के नहीं आने पर बैठक टाल दी गई। टीएमसी प्रवक्ता कुनाल घोष ने कहा कि सभी विधायक अभिषेक बनर्जी पर हमले के विरोध में प्रदर्शन की तैयारी में व्यस्त हैं। 31 मई- सांसद कल्याण बनर्जी पर हमलाः सांसद कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि हुगली में पुलिस स्टेशन के बाहर बीजेपी समर्थकों ने उन पर हमला किया, जिससे वे घायल हो गए। उन्होंने कहा कि यहां भगवा कपड़े पहने 10-15 बीजेपी के गुंडे थे, जिन्होंने अचानक नारे लगाए, मुझे गालियां दी और पत्थर से हमला किया। 30 मई- सांसद अभिषेक बनर्जी से मारपीटः दक्षिण सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी के साथ मारपीट हुई थी। उन पर अंडे और चप्पल भी फेंके गए थे। अभिषेक ने आरोप लगाया कि उनकी हत्या की कोशिश की गई। इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। 27 मई- सांसद काकोली का इस्तीफाः बंगाल के बारासात से टीएमसी सांसद काकोली घोष ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दिया था। इस्तीफे से पहले काकोली सीएम शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में शामिल हुई थीं। 20 मई- पार्टी कार्यक्रम में सिर्फ 35 विधायक पहुंचेः कोलकाता में विधानसभा परिसर में अंबेडकर प्रतिमा के पास टीएमसी के कुछ विधायकों ने पोस्ट-पोल हिंसा और हॉकर्स हटाने के अभियानों के खिलाफ धरना दिया था। विधानसभा चुनाव हार के बाद यह पार्टी का पहला बड़ा संगठित विरोध प्रदर्शन था, लेकिन इसमें भी केवल 35 विधायक ही पहुंचे थे।

## दावा- रणवीर सिंह ने एफडब्लूआईसीई को भेजा लीगल नोटिस,डॉन 3 विवाद को लेकर फिल्म वर्कर्स ऑर्गनाइजेशन ने नॉन-कोऑपरेशन जारी किया था

मुंबई। रणवीर सिंह ने फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज एफडब्लूआईसीई (FWICE) को लीगल नोटिस भेजा है। ऐसा दावा एनडीटीवी की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रणवीर ने यह लीगल नोटिस 2 जून को भेजा था। हालांकि, नोटिस में एक्टर ने क्या मांगें रखी हैं, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। एफडब्लूआईसीई ने 25 मई 2026 को रणवीर के खिलाफ नॉन-कोऑपरेशन जारी किया था, जिसके तहत संस्था ने अपने सभी सदस्यों से रणवीर के किसी भी प्रोजेक्ट में काम न करने को कहा था। यह पूरा विवाद रणवीर के फिल्म डॉन 3 से बाहर होने से जुड़ा है। इस फिल्म को फरहान अख्तर की कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रही थी। मामले में कहा गया कि फिल्म की तैयारियां पूरी होने और शूटिंग शुरू होने से मात्र तीन हफ्ते पहले रणवीर प्रोजेक्ट से बाहर हो गए। प्रोजेक्ट छोड़ने से हुए नुकसान के एवज में मेकर्स ने रणवीर से 45 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की है। फिल्म 'डॉन 3' से रणवीर के बाहर होने और एफडब्लूआईसीई के नॉन-कोऑपरेशन के मामले पर एक्ट्रेस कंगना रनोट ने रिएक्शन दिया। मंगलवार को वह अपनी आने वाली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' के ट्रेलर लॉन्च पर पहुंचीं। कंगना से जब इस मुद्दे पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि जिंदगी में आगे बढ़ने पर रुकावटें आती ही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें भी पहले कई लोगों ने बैन किया था, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कंगना ने इवेंट के दौरान रणवीर का जिक्र करते हुए कहा, 'आप मुझसे यह सवाल पूछ रहे हैं, मुझे तो हर किसी ने बैन किया हुआ है। मैं यही कहना चाहूंगी कि जब आपकी हैसियत बढ़ती है, तो आपके दुश्मन भी बढ़ते हैं। ऐसा कभी नहीं हो सकता कि आपकी हैसियत बढ़े और दुश्मन न बढ़ें। आज रणवीर सिंह को सोचना चाहिए कि उनकी क्या हैसियत है कि उनके इतने दुश्मन बन गए हैं। यह एक तरह से अच्छा ही है।' कंगना ने अपनी जिंदगी का उदाहरण देते हुए आगे कहा कि जब आप लाइफ में आगे बढ़ते हैं तो कई तरह की मुश्किलें आती हैं। रास्ता हमेशा आसान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ तो इतना सब कुछ हुआ है, लेकिन देखिए आज मैं अच्छा काम कर रही हूं। मेरी गाड़ी भी अच्छी चल रही है। इसलिए इन चीजों से कोई फर्क नहीं पड़ता है, समय के साथ सब कुछ ठीक हो जाएगा।

## राम चरण से मिलकर रो पड़ा फैन,एक्टर की तरफ भागा था, घबरा गई थीं जाह्नवी कपूर, बॉडीगार्ड ने उठाकर बाहर किया

मुंबई। फिल्म 'पेद्दी' के प्रमोशन इवेंट का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें राम चरण जैसा दिखने वाला एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर स्टेज की तरफ दौड़ पड़ा था। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत रोक लिया था। वहीं, इस घटना के बाद राम चरण ने उस फैन से अलग से मुलाकात की। यह मुलाकात पूरी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराई गई। फैन इस घटना के बाद काफी इमोशनल हो गया था। राम चरण ने फैन को शांत किया और उससे आराम से बातचीत की। इतना ही नहीं, उन्होंने फैन के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। दरअसल, मंगलवार को रामचरण और जान्हवी कपूर अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' के प्रमोशन के लिए विजयवाड़ा पहुंचे थे। तभी स्टेज पर फिल्म के प्रमोशन के दौरान रामचरण जैसा दिखने वाला एक हमशक्ल फैन अचानक उनकी तरफ तेजी से दौड़ा। इस घटना से रामचरण के बगल में बैठीं जान्हवी कपूर बुरी तरह घबरा गईं। हालांकि, रामचरण के पर्सनल बॉडीगार्ड और एमएमए फाइटर केविन कुंटा ने मुस्तैदी दिखाते हुए फैन को रास्ते में ही रोक लिया और गोद में उठाकर स्टेज से बाहर कर दिया था। घबरा गईं जान्हवी, बढ़ाई गई सुरक्षा-सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में साफ दिख रहा है कि फैन के अचानक करीब आने से जान्हवी कपूर काफी असहज और डरी हुई नजर आईं। वे अपनी सीट पर ही सहम गईं और उनकी घबराहट चेहरे पर साफ दिख रही थी। इस घटना के तुरंत बाद सुरक्षा टीम अलर्ट हो गई। जान्हवी और रामचरण की सुरक्षा के लिए उनके चारों तरफ बड़ी संख्या में पुलिस और निजी सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया, ताकि इवेंट को बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके। फिल्म पेद्दी के बारे में जानिए- पेद्दी एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जो खेल के माध्यम से अपनी पहचान तलाशने वाले एक व्यक्ति की कहानी पर आधारित है। फिल्म को बुच्ची बाबू सना ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इसका प्रोडक्शन वेंकट सतीश किलारू ने वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले किया है। फिल्म को मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स प्रेजेंट कर रहे हैं। फिल्म में राम चरण, जाह्नवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु और जगपति बाबू प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पेद्दी 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## पति हैं गुस्से वाले-खुश रहें तो प्यार जताएं, लेकिन अंदाज़ा नहीं मिजाज़ कब बिगड़ जाए, डर में रहती हूं, क्या करूं?

नोएडा। सवाल- मेरी उम्र 33 साल है और मेरी शादी को 4 साल हो चुके हैं। मेरे पति बहुत गुस्से वाले हैं। जब वे गुस्से में नहीं होते, तो बहुत ख्याल रखते हैं, लेकिन गुस्सा आने पर उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। इस वजह से मेरा भी ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। मैं हमेशा डरी हुई रहती हूं कि न जाने उन्हें किस बात पर गुस्सा आ जाए। अब इस सिचुएशन से निपटना मेरे लिए मुश्किल हो रहा है। मुझे क्या करना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुचुरल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी से सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- अपनी समस्या शेयर करने के लिए शुक्रिया। आपकी स्थिति काफी गंभीर है और इसे समझना बहुत जरूरी है। साइकोलॉजी में इस कंडीशन को 'वॉकिंग ऑन एगशेल्स' कहते हैं। यानी आप हर वक्त इस डर में रहती हैं कि आपके किसी कदम से सामने वाला गुस्से से 'फट' न जाए। 4 साल का समय ये समझने के लिए पर्याप्त है कि यह केवल उनका 'स्वभाव' नहीं, बल्कि एक कंसर्निंग पैटर्न है। प्यार और गुस्से का यह 'भ्रम' खतरनाक- अक्सर ऐसे रिश्तों में पार्टनर एक अजीब तरह के भ्रम में रहता है। आप कहती हैं कि 'जब वे गुस्से में नहीं होते, तो बहुत ख्याल रखते हैं।' यही वह 'ट्रैप' है, जो आपको इस टॉक्सिक कंडीशन से बाहर नहीं निकलने देता। साइकोलॉजी के अनुसार, इसे 'इंटरमिटेंट रीइन्फोर्समेंट' कहते हैं। जब कोई व्यक्ति बुरा व्यवहार करता है और फिर अचानक बहुत सारा प्यार दिखाता है, तो सामने वाले को लगता है कि 'वह दिल के बुरे नहीं हैं, बस गुस्सा आ जाता है।' याद रखें, उनका अच्छा व्यवहार उनके अग्रेसिवनेस को जायज नहीं ठहराता। प्यार के बदले में डर की कीमत चुकाना किसी भी स्वस्थ रिश्ते की निशानी नहीं है। डर के साये में पनपने वाला रिश्ता धीरे-धीरे अपनी पहचान और आत्मविश्वास को खत्म कर देता है। आपके शरीर को मिल रहे हैं 'वार्निंग सिग्नल' आपका बढ़ता ब्लड प्रेशर और लगातार रहने वाली एंग्जाइटी महज एक फिजिकल इश्यू नहीं हैं। इसे 'साइकोसोमैटिक इफेक्ट' कहते हैं। जब ब्रेन किसी तनाव को प्रोसेस नहीं कर पाता या आप अपनी भावनाओं को लंबे समय तक दबाकर रखते हैं, तो ये धीरे-धीरे किसी बीमारी का रूप ले लेता है।लगातार डर में रहने से शरीर में 'कोर्टिसोल' (स्ट्रेस हॉर्मोन) का लेवल बढ़ जाता है। ये इम्यूनिटी, हार्ट बीट और ब्लड प्रेशर पर सीधा असर डालता है। आपका शरीर बार-बार चेतावनी दे रहा है कि यह माहौल आपके लिए सुरक्षित नहीं है। अगर आज इस पर ध्यान नहीं दिया, तो यह समस्या भविष्य में हार्ट डिजीज या क्रॉनिक डिप्रेशन का रूप ले सकती है। पति के गुस्से की वजह समझें- हर बार गुस्सा सिर्फ स्वभाव से जुड़ा नहीं होता है। कई बार इसके पीछे तनाव, पुराने अनुभव, भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई या खुद को समझा न पाने की परेशानी भी छिपी हो सकती है। अक्सर पत्नियां खुद को दोष देने लगती हैं या पति को शांत करने की जिम्मेदारी उठा लेती हैं। लेकिन यहां ये समझना जरूरी है कि आप किसी के गुस्से की 'मैनेजर' नहीं हैं। उन्हें शांत करना या उनके ट्रिगर को बचाना आपकी ड्यूटी नहीं है। गुस्सा कब एब्यूजिव हो सकता है,जब हम किसी के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं, तो हमारा 'लॉजिक' काम करना बंद कर देता है। आप उनके साथ बिताए अच्छे पलों को याद कर बुरे पलों को नजरअंदाज करती हैं। लेकिन आपको ठंडे दिमाग से कुछ सवालों के जवाब खुद को देने होंगे। क्या मैं इस घर में सुरक्षित महसूस करती हूं? क्या मेरी खुशी मेरी सेहत उनकी प्राथमिकता है? क्या बच्चा इस माहौल में स्वस्थ रूप से बढ़ पाएगा? पिछली बार मैं कब बिना किसी डर के खुलकर हंसी थी ? क्या मैं अपनी बहन को ऐसे रिश्ते में रहने की सलाह देती? क्या वे हर किसी के ऊपर इसी तरह चिल्लाते हैं? क्या वे अपने गुस्से पर शर्मिंदगी महसूस करते हैं? क्या वे खुद को बदलने की बात करते हैं? क्या वे इसके लिए प्रोफेशनल मदद चाहते हैं? क्या मैं अगले 20 साल इसी डर में बिता सकती हूं? स्थिति को सुधारने के लिए क्या करें? अगर लगता है कि इस रिश्ते में अभी भी गुंजाइश है और आपके पति बदलाव के लिए तैयार हो सकते हैं, तो एक एक्शन प्लान के साथ काम करना होगा। 1. हेल्दी बाउंड्री तय करें- जब वे शांत हों, तब उनसे बात करें। उन्हें स्पष्ट शब्दों में कहें, 'मुझे आपसे प्यार है, लेकिन आपका चिल्लाना और अपमान करना मुझे स्वीकार्य नहीं है। जब आप चिल्लाएंगे, मैं उस कमरे से बाहर चली जाऊंगी।' इसे 'सेट लिमिट्स' कहते हैं। 2. बातचीत के लिए सही समय चुनें- गुस्से के दौरान दी गई कोई भी दलील 'आग में घी' का काम करती है। इसलिए पति से बातचीत के लिए ऐसा समय चुनें, जब वह खुश हो और उनका मूड अच्छा हो। इस दौरान समझदारी के साथ अपनी बात रखें। 3. प्रोफेशनल हेल्प लें- अक्सर 'घर की बातें घर में' रखने के चक्कर में हम काउंसलर से सलाह नहीं लेते। लेकिन ऐसे समय में प्रोफेशनल हेल्प लेना जरूरी है। इसके लिए 'कपल थेरेपी' या 'एंगर मैनेजमेंट' की क्लासेज जॉइन कर सकते हैं। अगर वे ऐसा करने से मना करते हैं, तो यह संकेत है कि उन्हें आपकी परवाह नहीं है।4. अपना सपोर्ट सिस्टम बनाएं- अकेले इस बोझ को न उठाएं। अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद दोस्त को इस स्थिति के बारे में बताएं। जब लोग जानते हैं कि क्या हो रहा है, तो सामने वाले पर एक सामाजिक दबाव भी बनता है कि वह अपना व्यवहार सुधारे। गुस्से से कैसे निपटें? प्रोफेशनल हेल्प के दौरान भी आपको खुद ही इस गुस्से से निपटना होगा तो इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। किसी भी रिश्ते को बचाने की जिम्मेदारी केवल एक व्यक्ति की नहीं होती। अगर पति बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं, अपनी गलती नहीं मानते और आपका स्वास्थ्य लगातार खराब हो रहा है, तो आप समझदारी से फैसला ले सकती हैं। अंतिम सलाह- आपकी सुरक्षा और आत्म-सम्मान सबसे ऊपर है। पति के अच्छे व्यवहार के दिनों को ढाल बनाकर उनके बुरे व्यवहार को नजरअंदाज न करें। अगर वे बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं और आपकी सेहत बिगड़ती जा रही है, तो आपको अपने भविष्य और सुरक्षा के लिए समझदारी से सही फैसला लेना चाहिए।

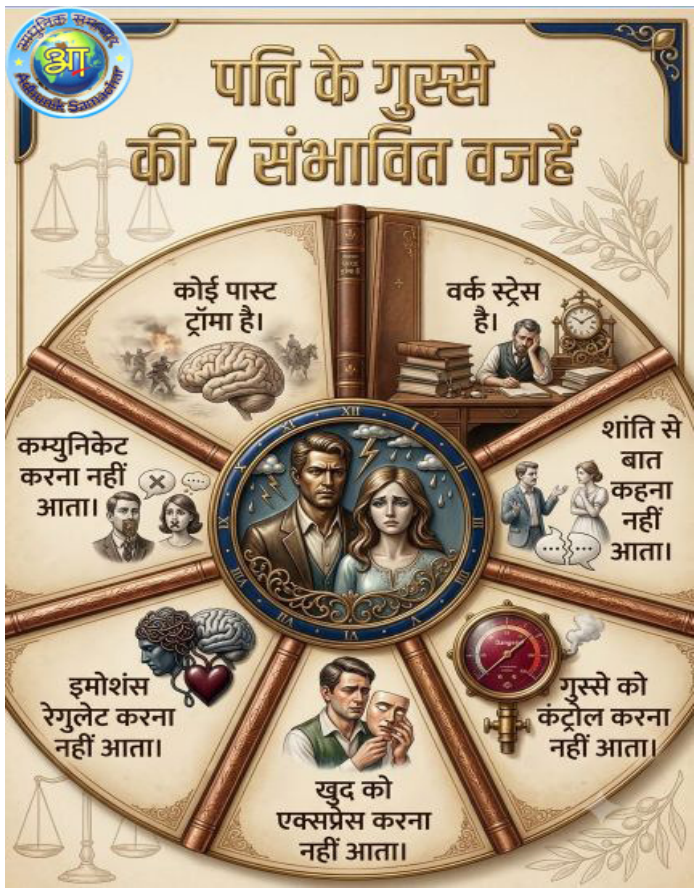

## तृषा कृष्णन का ट्रोलर्स को पलटवार- विजय से नाम जुड़ने के बीच कुत्ते की तस्वीर के साथ लिखा- सिर्फ इसे मेरी जिंदगी में दखल देने की इजाजत

चेन्नई। साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने एक्टर और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय के साथ अपने रिश्ते की ट्रोलिंग पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जवाब दिया है। तृषा ने अपने पालतू डॉग की एक फोटो शेयर कर लिखा कि सिर्फ इसी को मेरी जिंदगी में दखल देने की इजाजत है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर विजय और तृषा के रिश्ते को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। हाल ही में दोनों को एक्टर अजीत कुमार के घर पर भी साथ देखा गया था। तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उनका पालतू डॉग बेड पर आराम करता नजर आ रहा है। इस वीडियो के साथ तृषा ने लिखा, 'एकमात्र नाक जिसे मैं अपने काम में दखल देने की इजाजत देती हूं।' यूजर्स इस पोस्ट को उन लोगों के ट्रोलर्स के लिए सीधा जवाब मान रहे हैं जो पिछले काफी समय से उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर कयास लगा रहे हैं। अजीत कुमार की मां के निधन पर साथ पहुंचे थे दोनों यह पूरा मामला तब दोबारा चर्चा में आया जब विजय और तृषा को चेन्नई में एक्टर अजीत कुमार के घर पर देखा गया। अजीत कुमार की मां मोहिनी मणि का हाल ही में निधन हो गया है। इस दुखद खबर के बाद अजीत दुबई से तुरंत चेन्नई लौटे थे। फिल्म इंडस्ट्री और राजनीति से जुड़े कई लोग अजीत के घर संवेदना जताने पहुंचे। इसी दौरान विजय भारी सुरक्षा के बीच वहां पहुंचे और अजीत को गले लगाकर ढांढस बंधाया। उनके कुछ देर बाद तृषा भी ब्लैक कलर के सलवार सूट में अजीत के परिवार से मिलने पहुंची थीं। बर्थडे और शपथ ग्रहण समारोह से बढ़ीं अफवाहें विजय और तृषा के बीच नजदीकियों की खबरें पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में हैं। मई में तृषा के बर्थडे के दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। तिरुमला मंदिर के दर्शन करने के बाद तृषा को चेन्नई में विजय के घर से निकलते हुए देखा गया था। इसके अलावा जब विजय ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी के लिए शपथ ग्रहण समारोह रखा था, तब भी तृषा अपनी मां उमा कृष्णन के साथ वहां मौजूद थीं।

## अमित जानी बोले- 'काला हिरण' सलमान की बायोपिक नहीं है,फिल्म बिश्नोई समाज पर आधारित, कहा- नोटिस भेजकर हम पर दबाव डालने की कोशिश हो रही

मुंबई। फिल्म 'काला हिरण' को लेकर जारी विवाद के बीच फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सलमान खान की लीगल टीम के नोटिस पर रिएक्शन दिया है।अपने ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट में पोस्ट किए वीडियो में अमित जानी ने कहा कि हमारी पूरी फिल्म सलमान खान की बायोपिक नहीं है।

हमारी पूरी फिल्म सलमान खान के नजरिए से नहीं है। अमित जानी ने वीडियो में कहा, 'सलमान खान की लीगल टीम की ओर से नोटिस भेजकर हम पर दबाव बनाया जा रहा है कि हम फिल्म की रिलीज रोक दें और 20 जून को टीजर जारी न करें।

' वहीं एबीपी न्यूज के साथ बातचीत में अमित जानी ने कहा है कि फिल्म 'काला हिरण' बिश्नोई समाज के संघर्ष, उनकी विरासत और वन्यजीवों के प्रति उनके समर्पण को दिखाती है। जानी ने कहा कि सलमान खान फिल्म का सिर्फ एक पार्ट हैं। 'काला हिरण' को लेकर सलमान खान की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया था। न्यूज18 की रिपोर्ट में बताया गया था कि सलमान की ओर से लॉ फर्म डीएसके लीगल ने कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है।

इस नोटिस में 'काला हिरण' नाम की प्रस्तावित फिल्म के प्रोडक्शन और प्रमोशन को तुरंत रोकने की मांग की गई है।

नोटिस में कहा गया था कि यह फिल्म कथित तौर पर सलमान खान के काला हिरण शिकार मामले से प्रेरित है।

सलमान की लीगल टीम का दावा है कि इस फिल्म से उनकी इमेज को नुकसान पहुंच सकता है, चल रही लीगल प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और उनके पर्सनल राइट्स का उल्लंघन हो सकता है।

सलमान की लीगल टीम का कहना है कि एक्टर ने अपने नाम, पहचान या उनसे जुड़े किसी भी कथित घटनाक्रम के इस्तेमाल की कोई अनुमति नहीं दी है।

20 जून को आना था टीजर- बता दें कि सलमान से जुड़े काला हिरण शिकार मामले पर आधारित फिल्म 'काला हिरण' का पोस्टर शुक्रवार को जारी किया गया था। वहीं कहा गया था कि फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर 20 जून को जारी किया जाएगा।

फिल्म में सलमान और गैंगस्टर लॉरेंस के बीच के विवाद को दिखाया जाएगा। हालांकि, यह जानकारी सामने नहीं आई थी कि इसमें कौन लीड रोल में है।

वहीं, इसके पोस्टर में जो एक्टर दिखा है, वह जाना-पहचाना नहीं है। 1998 में काला हिरण शिकार मामला सामने आया-सलमान खान से जुड़ा काला हिरण शिकार मामला साल 1998 में सामने आया था, जब वो जोधपुर में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग कर रहे थे।

सलमान के खिलाफ कुल चार केस दर्ज किए गए थे। इनमें दो चिंकारा शिकार मामले, एक कांकाणी काला हिरण शिकार मामला और एक आर्म्स एक्ट का मामला शामिल था। काला हिरण शिकार मामले में बिश्नोई समुदाय की शिकायत पर सलमान के साथ सैफ अली खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और नीलम के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था। इन मामलों में 12 अक्टूबर 1998 को सलमान को पहली बार गिरफ्तार किया गया, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। अप्रैल 2006 में चिंकारा शिकार मामलों में सलमान को सजा सुनाई गई।

जनवरी 2017 में उन्हें आर्म्स एक्ट मामले में बरी कर दिया गया। वहीं, 5 अप्रैल 2018 को काला हिरण शिकार मामले में उन्हें 5 साल की जेल और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा मिली। इसी मामले में बाकी कलाकारों को बरी कर दिया गया था। बाद में सलमान को जमानत मिल गई। फिलहाल यह मामला राजस्थान हाई कोर्ट में लंबित है। मई 2026 में हुई सुनवाई के बाद अदालत ने अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 के लिए तय की है। सलमान खान फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।